(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

जन्माष्टमी विशेषः श्रीकृष्ण...8

सोमवार, 30 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 254 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

किसानों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का दिया था आश्वासन, लेकिन पुलिसकर्मियों पर पथराव किया: खट्टर

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने करनाल में प्रदर्शनकारी किसानों के ऊपर की गई पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आश्वासन दिया गया था लेकिन पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया और एक राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया। शनिवार को भाजपा की एक बैठक के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर करनाल की ओर बढ़ रहे किसानों के एक समूह पर कथित तौर पर पुलिस ने लाठियां बरसायीं जिससे लगभग 10 लोग घायल हो गए। बैठक के बाद शनिवार शाम करनाल में संवाददाताओं से बातचीत में खट्टर ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे किसानों ने पहले सरकार को आश्वासन दिया था कि उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा। खट्टर ने कहा, ''अगर उन्हें विरोध प्रदर्शन ही करना था तो उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से करना चाहिए था, इस पर किसी को आपत्ति नहीं होती। पहले उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आश्वासन दिया था। लेकिन अगर वे पुलिस पर पथराव करेंगे, राजमार्ग अवरुद्ध करेंगे तो पुलिस कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम तो उठाएगी।''

करनाल में भाजपा की बैठक का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी की राज्य स्तर की बैठक थी और 'मैं किसान संगठनों द्वारा इसका विरोध करने के लिए किए गए आह्वान की निंदा करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी संगठन के कार्यक्रम का किसी मुद्दे पर या किसी भी कारणवश से विरोध करना तो खुद में ही अलोकतांत्रिक हैं।'' हरियाणा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून–व्यवस्था) नवदीप सिंह विर्क ने पहले बताया था कि सिर्फ चार प्रदर्शनकारी घायल हुए, जबकि 10 पुलिसकर्मियों को चोट आईं। उन्होंने कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और उन पर हमला करने की कोशिश की। करनाल पुलिस की महानिरीक्षक ममता सिंह ने कहा, ''हमने आंशिक तौर पर बलप्रयोग किया क्योंकि वे राजमार्ग जाम कर रहे थे। पुलिस पर कुछ पथराव भी हुआ। प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने के लिए आंशिक तौर पर बल प्रयोग किया गया।''

इसी बीच भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत ने रविवार को करनाल के एक अस्पताल में जाकर कुछ घायल किसानों से मुलाकात की और पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की निंदा की।

टिकैत ने कहा कि करनाल में किसानों पर हमला करने का षड्यंत्र 'ड्यूटी मजिस्ट्रेट के आदेशों से स्पष्ट था, जो पुलिस को किसानों का सिर फोड़ने और उन पर लाठियां बरसाने का आदेश दे रहे हैं।'' टिकैत ने कहा, ''सरकार किसानों की आवाज को दबाने के लिए लाठियों का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन वह गलतफहमी में है।'' हरियाणा भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के प्रमुख गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि सोमवार को किसान संगठनों की एक बैठक करनाल में आयोजित होगी और कथित लाठीचार्ज के मद्देनजर भविष्य के कदम पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज का विरोध करने के लिए शनिवार शाम तक सड़क जाम करने का आह्वान था और आगे के कदमों के बारे में सोमवार को निर्णय लिया जाएगा।

राम की नगरी में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, कहा–

राम के बिना अयोध्या, अयोध्या है ही नहीं

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आज भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या में हैं। आज राष्ट्रपति ट्रेन से अयोध्या पहुंचे थें। अयोध्या में राम कथा पार्क के उद्घाटन के बाद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि आप सब के बीच अयोध्या में इस रामकथा पार्क में आकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। हम सब रामकथा के महत्व के बारे में जानते हैं। यह कहा जा सकता है कि भारतीय जीवन मूल्यों के आर्दश और उपदेश रामायण में समाहित है। कोविंद ने आगे कहा कि राम के बिना अयोध्या, अयोध्या है ही नहीं। अयोध्या तो वहीं है जहां राम है। इस नगरी में प्रभु राम हमेशा के लिए विराजमान है इसलिए यह स्थान सही अर्थों में अयोध्या है। अयोध्या का शाब्दिक अर्थ है कि जिसके साथ युद्ध करना असंभव हो। अयोध्या का शाब्दिक अर्थ है, 'जिसके साथ युद्ध करना असंभव हो'। रघु, दिलीप, अज, दशरथ और राम जैसे रघुवंशी राजाओं के पराक्रम व शक्ति के कारण उनकी राजधानी को अपराजेय माना जाता था। इसलिए इस नगरी का 'अयोध्या' नाम सर्वदा सार्थक रहेगा।

राष्ट्रपति ने आगे कहा कि रामायण में दर्शन के साथ–साथ आदर्श आचार संहिता भी उपलब्ध है जो जीवन के प्रत्येक पक्ष में हमारा मार्गदर्शन करती है। संतान का माता–पिता के साथ, भाई का भाई के साथ, पति का पत्नी के साथ, गुरु का शिष्य के साथ, मित्र का मित्र के साथ, शासक का जनता के साथ और मानव का प्रकृति व पशु–पक्षियों के साथ कैसा आचरण होना चाहिए, इन सभी आयामों पर, रामायण में उपलब्ध आचार संहिता, हमें सही मार्ग पर ले जाती है।

नेहरू की तस्वीर हटाये जाने पर राहुल ने कहा, उन्हें लोगों के दिल से कैसे निकालोगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) द्वारा 'आजादी के अमृत महोत्सव' समारोह से देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर हटाये जाने की पृष्ठभूमि में शनिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि 'देश के प्यारे पंडित नेहरू' को लोगों के दिल से कैसे निकला जा सकेगा। उन्होंने फेसबुक पर नेहरू के जीवन से जुड़ी कई तस्वीरें साझा करते हुए कहा, ''देश के प्यारे पंडित नेहरू को लोगों के दिल से कैसे निकालोगे?'' कांग्रेस के कई नेताओं ने आईसीएचआर की वेबसाइट पर 'आजादी के अमृत महोत्सव' से जुड़ी तस्वीरों का स्क्रीनशॉट ट्विटर पर साझा किया, जिनमें महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, राजेंद्र प्रसाद, भगत सिंह, मदनमोहन मालवीय और वीर सावरकर के चित्र हैं, लेकिन नेहरू की तस्वीर गायब है। इस मामले पर आईसीएचआर की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने आईसीएचआर के इस कदम को 'भद्दा' करार दिया। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने कहा कि कोई भी देश स्वतंत्रता संघर्ष का उल्लेख करने वाली वेबसाइट से अपने पहले प्रधानमंत्री की तस्वीर नहीं हटायेगा, लेकिन यहां पर किया गया, जो बहुत ही 'तुच्छ' और 'अन्यायपूर्ण' है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि आईसीएचआर ने पंडित नेहरू की तस्वीर हटाकर खुद को कलंकित किया है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने ट्वीट किया, ''नेहरू जी की फोटो हटाने से क्या खुद का कद बढ़ जाएगा? बौना, बौना ही रहेगा।

भारत विरोधी ताकतें अस्थिरता का माहौल बनाने की कोशिश कर रही हैं: राजनाथ सिंह

चेन्नई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि देश की आजादी के बाद से ही भारत

विरोधी ताकतें घरेलू स्तर पर अस्थिरता का मौहाल बनाने का प्रयास कर रही हैं। ऊटी के पास वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेस स्टाफ कॉलेज में अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सैन्य शक्ति, व्यापार, संचार, अर्थव्यवस्था और राजनीतिक समीकरण जैसे परिदृश्यों में बदलाव स्पष्ट तौर पर देखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के इस दौर में दुनिया भर में हो रहे इन बदलावों से कोई भी देश अछूता नहीं है। ऐसे में देश की रक्षा तैयारियों को इन बदलावों के अनुपात में या इनसे एक कदम आगे रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''जब से हमारा देश आजाद हुआ है, दुश्मन ताकतों का प्रयास रहा है कि देश के भीतर किसी न किसी माध्यम से अस्थिरता का माहौल पैदा किया जाए। पिछले 75 साल का इतिहास देखें तो हमें चुनौतियां विरासत में मिली हैं।

करनाल में किसानों पर हुए लाठीचार्ज पर बोले राकेश टिकैत, देश में सरकारी तालिबानों का कब्जा हो चुका है

हरियाणा के करनाल में कल पुलिस और किसानों के बीच भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में दोनों ओर से कई लोगों के घायल होने की खबर है। करनाल में हुए लाठीचार्ज को लेकर विपक्ष लगातार हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर सरकार को घेर रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत भी लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। आज जब राकेश टिकैत से इसी मसले को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि देश में सरकारी तालिबानों का कब्जा हो चुका है। देश में सरकारी तालिबानों के कमांडर मौजूद है। इन कमांडरो की पहचान करनी होगी। जिन्होंने आदेश दिया सर फोड़ने का वहीं कमांडर है। इससे पहले राकेश टिकैत ने यह भी कहा था कि मुजफ्फरनगर में होने वाले महापंचायत को मुद्दे से भटकाने के लिए सरकार द्वारा यह षड्यंत्र किया जा रहा है। आपको बता दें कि भाजपा की बैठक के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए करनाल की तरफ बढ़ रहे किसानों के एक समूह पर पुलिस ने कथित तौर पर लाठीचार्ज किया, जिसमें करीब दस लोग घायल हो गए। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, राज्य भाजपा के अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। किसानों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य पुलिस की आलोचना की गई और विरोध में कई स्थानों पर सड़कों को जाम किया गया।

ड्रग्स मामले में एक्टर अरमान कोहली गिरफ्तार, 12 घंटे चली थी पूछताछ

नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मादक पदार्थों के मामले में अभिनेता अरमान कोहली को गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने दी। इससे पहले अरमान कोहली के घर से कथित तौर पर प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद होने के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा उनसे पूछताछ की गई। अरमान कोहली और ड्रग पेडलर अजय राजू सिंह को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 (ए), 27 (ए), 28, 29, 30 और 35 के तहत गिरफ्तार किया गया। आपको बता दें कि एनसीबी की एक टीम ने शाम में कोहली के घर पर छापा मारा था और बाद में उन्हें दक्षिण मुंबई स्थित एजेंसी के कार्यालय ले जाया गया क्योंकि उनके घर से कुछ नशीला पदार्थ मिला था। एक अधिकारी ने बताया कि बताया कि एनसीबी के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े और अन्य अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। कोहली ने अन्य फिल्मों के अलावा सलमान खान अभिनीत फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में अभिनय किया है और वह टेलीविजन रियलिटी शो 'बिग बॉस' के प्रतियोगी भी रह चुके हैं। कोहली के खिलाफ यह कार्रवाई एक दिन पहले यहां केंद्रीय मादक पदार्थ रोधी एजेंसी द्वारा टेलीविजन अभिनेता गौरव दीक्षित की गिरफ्तारी के बाद की गई।

अमित शाह ने अहमदाबाद के अधिकारियों से सितंबर तक प्रत्येक पात्र व्यक्ति को टीके की पहली खुराक लगाने को कहा

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद जिले के अधिकारियों से शनिवार को कहा कि वे कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान तेज गति से चलाएं ताकि 30 सितंबर तक हर पात्र व्यक्ति को टीके की पहली खुराक देने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर आए शाह ने अहमदाबाद जिलाधिकारी कार्यालय में जिला विकास समन्वयन एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। शाह का लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र गांधीनगर इसी जिले में आता है। बैठक में अन्य सांसद, राज्य के मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया, ''शाह ने जिले में कोविड रोधी टीकाकरण की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों से कहा कि वे अभियान तेज गति से चलाएं ताकि 30 सितंबर तक 100 फीसदी लाभान्वितों को टीके की पहली खुराक लग जाए।

स्वच्छ भारत अभियान के संकल्प को कभी भी मंद नहीं पड़ने देना है: प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली। स्वच्छता के क्षेत्र में देश के विभिन्न स्थानों पर हो रहे अभिनव प्रयोगों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशवासियों से अपील की कि वे ''स्वच्छ भारत अभियान'' के संकल्प को कभी भी मंद ना पड़ने दें। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ''मन की बात'' की ताजा कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के कालखंड में स्वच्छता के विषय में जितनी बातें करनी चाहिए थी, उसमें कुछ कमी आ गई थी। उन्होंने कहा, ''मुझे भी लगता है कि स्वच्छता के अभियान को हमें रत्ती भर भी ओझल नहीं होने देना है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए सबका प्रयास कैसे सबका विकास करता है इसके उदाहरण ना सिर्फ प्रेरणा देते हैं बल्कि कुछ करने के लिए एक नई ऊर्जा भर देते हैं और संकल्प में जान फूंक देते हैं। इस कड़ी में प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत रैंकिंग में पहले नम्बर पर कायम मध्य प्रदेश के इंदौर, ''सुखेत मॉडल'' के जरिए गांवों में प्रदूषण कम करने के लिए बिहार के मधुबनी और ऐसा ही प्रयास करने के लिए तमिलनाडु के शिवगंगा जिले की कान्जीरंगाल पंचायत का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत रैंकिंग में पहले पायदान पर बने रहने के बावजूद वहां के लोग संतोष पा करके बैठना नहीं चाहते हैं और कुछ नया करने की चाहत में उन्होंने इंदौर को ''वाटर प्लस सिटी'' बनाने की ठान ली है।

''वाटर प्लस सिटी'' यानी ऐसा शहर जहां बिना ''ट्रीटमेंट'' (प्रशोधन) के गंदा पानी किसी सार्वजनिक जल स्त्रोत में नहीं डाला जाता है। उन्होंने कहा, ''यहां के नागरिकों ने खुद आगे आकर अपनी नालियों को सीवर लाइन से जोड़ा है। स्वच्छता अभियान भी चलाया है और इस वजह से सरस्वती और कान्हा नदियों में गिरने वाला गन्दा पानी भी काफी कम हुआ है और सुधार नजर आ रहा है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब देश आजादी का ''अमृत महोत्सव'' मना रहा है तो देश को यह याद रखना है कि ''स्वच्छ भारत अभियान के संकल्प को हमें कभी भी मंद नहीं पड़ने देना है''। उन्होंने कहा कि देश में जितने ज्यादा शहर ''वाटर प्लस सिटी'' होंगे, उतनी ही स्वच्छता भी बढ़ेगी, नदियां भी साफ होंगी और पानी बचाने की एक मानवीय जिम्मेदारी निभाने के संस्कार भी विकसित होंगे। मधुबनी जिले के डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय और वहां के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त प्रयासों से आरंभ किए गए ''सुखेत मॉडल'' का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका लाभ किसानों को तो हो ही रहा है, इससे स्वच्छ भारत अभियान को भी नई ताकत मिल रही है। प्रधानमंत्री के मुताबिक ''सुखेत मॉडल'' का मकसद गांवों में प्रदूषण कम करना है और इसके तहत गांव के किसानों से गोबर और खेतोंदृघरों से निकलने वाला अन्य कचरा इकट्ठा किया जाता है और बदले में गांव वालों को रसोई गैस सिलेंडर के लिए पैसे दिये जाते हैं। उन्होंने बताया कि जो कचरा गांव से एकत्रित होता है, उसके निपटारे के लिए वर्मी कम्पोस्ट (केंचुओं की मदद से कचरे को खाद में परिवर्तित करना) बनाने का भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''सुखेत मॉडल के चार लाभ तो सीधे–सीधे नजर आते हैं। एक तो गांव को प्रदूषण से मुक्ति, दूसरा गांव को गन्दगी से मुक्ति, तीसरा गांव वालों को रसोई गैस सिलेंडर के लिए पैसे और चौथा गांव के किसानों को जैविक खाद। इस तरह के प्रयास हमारे गांवों की शक्ति कितनी ज्यादा बढ़ा सकते हैं।'' प्रधानमंत्री ने इसे आत्मनिर्भरता का विषय करार दिया और देश की हर पंचायत से ऐसा कुछ करने की अपील की। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले की कान्जीरंगाल पंचायत में ''कचरे से कंचन'' विकसित करने को लेकर चलाए जा रहे अभियान का प्रधानमंत्री ने जिक्र किया और कहा कि पूरे गांव से कचरा इकट्ठा कर उससे बिजली बनाई जाती है और बचे हुए उत्पादों को कीटनाशक के रूप में बेच भी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि गांव में इसके लिए एक संयंत्र भी स्थापित किया गया है और इसकी क्षमता प्रतिदिन दो टन कचरे के निस्तारण की है। उन्होंने कहा, ''इससे बनने वाली बिजली का गांव के बिजली के खंभों के साथ दूसरी जरूरतों में उपयोग हो रहा है। इससे पंचायत का पैसा तो बच ही रहा है, वह पैसा विकास के दूसरे कामों में इस्तेमाल किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अब मुझे बताइये कि तमिलनाडु के शिवगंगा जिले की एक छोटी सी पंचायत हम सभी देशवासियों को कुछ करने की प्रेरणा देती है कि नहीं देती है। कमाल ही किया है न इन्होंने।'' उल्लेखनीय है कि सार्वभौमिक स्वच्छता प्राप्त करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में तेजी लाने और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रधानमंत्री ने दो अक्टूबर, 2014 को ''स्वच्छ भारत अभियान'' आरंभ किया था।

रोजगार के सृजन में महिला उद्यमियों की भूमिका महत्वपूर्ण

मिशन शक्ति अभियान के तहत उद्यमिता विकास एवं जागरूकता अभियान का आयोजन हुआ

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति अभियान फेज–थ्री के तहत शनिवार को महिला अध्ययन केंद्र एवं वीमेन ग्रीवेंस सेल द्वारा उद्यमिता विकास एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के अवसर को सृजन करने में महिला उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाओं की भागीदारी देश के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। महिलाएं आगे बढ़ते हुए दूसरी महिलाओं को भी सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में प्रेरणा बनेगी। देश की आधी आबादी को हर तरह से सशक्त बनाना आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि इतिहास पर दृष्टि डालें तो देश के महानगरों में ही नहीं, गांवों–कस्बों में भी महिलाओं ने आत्मनिर्भर होने की दिशा में घरेलू उद्योग जैसे पापड़, अचार तैयार करने का कार्य प्रारम्भ किया है। महिलाओं द्वारा संचालित छोटे–छोटे उद्यमों में परंपरागत हस्तशिल्प और कढ़ाई–बुनाई की चीजे देश ही नहीं, विदेशों में भी खूब पसंद की जा रही हैं। कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि नवाचार उद्यमिता की क्षमता और योग्यता को सिद्ध कर रही है। महिला उद्यमियों को आगे लाने के लिए केवल आर्थिक मदद या सुविधाएं ही पर्याप्त नहीं होगी। समग्र रूप से सामाजिक और पारिवारिक सोच में बदलाव कर स्वस्थ मानसिकता का परिचय देना होगा।

कुलपति ने कहा कि महिलाओं में उद्यमशीलता को प्रोत्साहन दिया जाए तो देश के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य में काफी बदलाव सम्भव है।

विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे देश में महिला उद्यमियों के लिए न तो कारोबार की राह आसान है और न सामाजिक–पारिवारिक माहौल उनका सहयोगी बन पाया है। यही कारण है कि कुछ अपवादों को छोड़ दें, तो हमारे यहां कारोबार की दुनिया में उनकी संख्या गिनती की ही है। आज भी कंपनियों के निदेशक मंडल में न केवल महिलाओं की संख्या कम है, बल्कि उनके फैसलों को भी प्रभावी ढंग से स्वीकार नहीं किया जाता। भारत में श्रमशक्ति का एक तिहाई से कुछ अधिक हिस्सा महिलाओं का है, जो जीडीपी को बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

स्त्री श्रमशक्ति की यह भागीदारी भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम साबित हो सकती है। इसी क्रम में महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो0 तुहिना वर्मा ने कहा कि अब देश का सामाजिक परिवेश बदल रहा है। महिलाएं अपने फैसले खुद लेने में सक्षम बनकर अपने कामकाज का क्षेत्र स्वयं चुन रही हैं। पारंपरिक संरचना का यह बदलाव लैंगिक भेदभाव को दूर करने का पहला कदम है। बुनियादी सोच का यह परिवर्तन महिलाओं में उद्यमशीलता और कौशल विकास को गति देने वाला अहम कारक बन सकता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने कहा कि यह अभियान प्रदेश का ही नही पूरे देश का मिशन है। देश की भागीदारी से ही इस मिशन को सफल बनाया जा सकता है और महिलाओं को सशक्त एवं स्वावलंबी बनाया जा सकता है। उद्यमिता का क्षेत्र हो या शिक्षा का महिलाएं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो0 नीलम पाठक ने कहा कि महिलाओं में प्रबल मनःशक्ति होती है इसी कारण वह किसी भी काम को करने में सक्षम होती हैं। मनःशक्ति के कारण महिलाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो या खेलकूद का क्षेत्र हो या फिर वह सामाजिक व राजनैतिक हो। उद्यमिता महिलाओं को आर्थिक रूप से प्रबल तो बनाएगी ही इसके साथ–साथ वह उसको मानसिक रूप से भी मजबूत करेगी। कार्यक्रम में शिक्षिकाएं एवं छात्राओं को योगा का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सरिता द्विवेदी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 प्रिया कुमारी ने किया। इस अवसर पर प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रोफेसर राजीव गौड़, प्रो0 मृदुला मिश्रा, डॉ0 महिमा चौरसिया, डॉ0 स्नेहा पटेल, डॉ0 अलका श्रीवास्तव, रीमा सिंह, सरिता सिंह, वल्लवी, नीलम मिश्रा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

सपा अल्पसंख्यक सभा के नवनियुक्त पदाधिकारियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

अयोध्या। समाजवादी पार्टी ने आज अल्पसंख्यक सभा के नवनियुक्त जिला व विधानसभा के पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र वितरित किया। पार्टी कार्यालय पर आयोजित इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक व पदाधिकारियों समेत कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री आनन्दसेन यादव ने कहा कि अल्पसंख्यक सभा के पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपते हुए उन्हें आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का निर्देश भी दिया। इस मौके पर श्री यादव ने कहा कि आने वाला वक्त समाजवादी पार्टी का है, कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। सपा जिलाध्यक्ष गंगासिंह यादव ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि नौजवानों की क्षमता के आगे कोई टिक नहीं सकता ऐसे में कार्यकर्ता अगर पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेंगे तो समाजवादी पार्टी हर लक्ष्य को भेद सकती है। पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी रुश्दी मियां ने इस मौके पर कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू की जा चुकी हैं और कार्यकर्ता अगर पूरे मनोबल के साथ मैदान में उतरे तो जीत निश्चित है। पूर्व विधायक अभय सिंह ने भी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि इस बार समाजवादी पार्टी की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता ऐसे में कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत के साथ चुनाव की तैयारियों में जुट जाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष राशिद जमील ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। महानगर अध्यक्ष श्यामकृष्ण श्रीवास्तव, जिला महासचिव बख्तियार खान, महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए बधाई दिया। उन्होंने कहा कि आने वाला 2022 का चुनाव महत्वपूर्ण है। सभी को एकजुट होकर अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाना है। समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपने के साथ–साथ चुनाव की तैयारियों संबंधित जिम्मेदारी भी सौंपी गई। श्री यादव ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम का संचालन समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिला महासचिव मोहम्मद अली ने किया।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष एजाज अहमद, बाबूराम गौड़, वरिष्ठ नेता मोहम्मद हलीम पप्पू, छोटेलाल यादव, चौधरी बलराम यादव, पार्षद दल के नेता हाजी असद, युवजन सभा के जिलाध्यक्ष जय सिंह यादव, यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष शोएब खान, यूथ ब्रिगेड के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद सोहेल, आकिब खान, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष आसिफ चांद, असलम पठान, शाहरुख पठान, वारिस अली, जसवीर सेठी, दीदार अब्बास, हाफिज सलाहुद्दीन, एजाज मुल्ला, वसी हैदर गुड्डू, मोहम्मद अजीजम, राशिद उल्लाह, मोहम्मद अजीम, मारूफ अहमद, शाह हयात मसूद गजाली, मो0 असलम, अंसार अहमद बब्बन, अशफाक अहमद, सलीम खान, मोहम्मद अख्तर, शारिब हुसैन, शादमान खान, जाबिर अहमद, राशिद सलीम, जीशान खान, अरशद आलम मोनू, हाजी सलाहुद्दीन, हलीम हलीम, इमरान खान, मोहम्मद शमीम, सोनू हाशमी, मो0 इश्तियाक खान, स्वामी नाथ वर्मा, श्रीचन्द यादव, राकेश कुमार, मो0 जाबिर, रमापति यादव, रमेश यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को अर्पित की श्रद्धांजलि

गोसाईगंज–अयोध्या। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, हिमांचल एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल भारतीय जनता पार्टी के स्तंभ व राम जन्मभूमि आंदोलन के नायक बाबूजी के नाम से प्रसिद्ध पूर्व मुख्यमंत्री कल्याणसिंह के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन पूर्व चेयरमैन स्व0 सुभाष जायसवाल के आवास सुभाष सदन पर आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता पूर्व चेयरमैन श्रीनाथ गुप्ता, संचालन शेखर जयसवाल ने किया। कल्याण सिंह की स्मृतियों को याद करते हुए शेखर जायसवाल ने कहाकि आज से 25 वर्ष पूर्व 27 अगस्त 1996 को कल्याणसिंह गोसाईगंज नगर में पूर्व चेयरमैन स्व0 सुभाष जायसवाल की श्रद्धांजलि सभा में इसी स्थान पर उपस्थित होकर के श्रद्धांजलि अर्पित किया था। 25 वर्षों के बाद आज कल्याणसिंह को इसी स्थान सुभाष सदन पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। सियाराम वर्मा ने उनके कार्यकाल को याद करते हुए कहा कल्याणसिंह के नकल अध्यादेश, सुशासन,अपराध मुक्त शासन, अनेक कार्य योजनाओं के लिए उन्हें बहुत दिनों तक याद किया जाएगा। कन्हैयालाल त्रिपाठी ने बताया कि समय की विडंबना देखिए की 21 अगस्त 1996 में स्व0 सुभाष जायसवाल की हत्या के ठीक 25 वर्षों के बाद 21 अगस्त 2021 ठीक 9:30 बजे उसी समय कल्याणसिंह भी गोलोक वासी हो गए, अब हम लोग 21 अगस्त को कल्याणसिंह के साथ अपने पूर्व चेयरमैन स्व0 सुभाष जायसवाल को भी याद किया करेंगे। जिलाउपाध्यक्ष डा0 विजयलक्ष्मी जायसवाल ने कहा कि कल्याणसिंह को श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के नायक की रूप में तथा मजबूत निर्णय लेने के लिए देश की जनता हमेशा याद करती रहेगी। उक्त सभा में वरिष्ठ भाजपा नेता सियाराम वर्मा, पूर्व सभासद गण कन्हैयालाल त्रिपाठी, बजरंग चौरसिया, रामकुमार सेठ, राजेश अगियार, सभासद अवधेश स्वर्णकार, शिवपूजन सिंह, ललित तिवारी, संतोष तिवारी, आलोक अगियार, कुलदीप तिवारी, धीरेंद्र उपाध्याय, श्री प्रकाश सोनी, राजन सोनी, रमाशंकर सोनी, पंकज गुप्ता, बृजेश चौरसिया, अमित मौर्य, राजेश तिवारी के साथ जनार्दन गुप्ता बंसीधर गुप्ता,पारस गुप्ता, रविकांत गुप्ता, गुलाब जायसवाल आदि के साथ काफी संख्या में लोग अपने प्रिय नेता को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

483 निर्माण श्रमिकों की हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण पुत्र–पुत्रियों को किया लाभान्वित

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित 'संत रविदास शिक्षा सहायता योजना' के अंतर्गत शनिवार को शहर के फिरोजाबाद क्लब आयोजित कार्यक्रम में सदर विधायक मनीष असीजा एवं जिलाधिकारी चंद्रविजय सिंह व मुख्य विकास अधिकारी चर्चित गौड़ द्वारा पंजीकृत 483 निर्माण श्रमिकों की हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण पुत्र–पुत्रियों को साईकिल तथा अन्य पंजीकृत श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं में हितलाभ वितरण किया गया। जिसमें मातृत्व, शिशु एवं बालिका प्रोत्साहन योजना में 141 लाभार्थियों को धनराशी 2355000, कन्या विवाह सहायता योजना में 168 लाभार्थियों को धनराशी 9240000, मेधावी छात्र पुरस्कार योजना में 7 लाभार्थियों को धनराशी 20000, निर्माण कामगार मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना में 7 लाभार्थियों को धनराशी 1700000 तथा अन्त्येष्टि सहायता योजना में 7 लाभार्थियों को धनराशी 175000 उनके बैंक खातों में वितरित की गयी है। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बोर्ड द्वारा संचालित संत रविदास शिक्षा सहायता योजनाओं के अन्तर्गत लाभार्थी श्रमिकों की पुत्र–पुत्रियों को प्रेरित करते हुए कहा कि, वह अग्रिम कक्षाओं में पढेघ एवं बोर्ड द्वारा संचालित मेधावी छात्र पुरुस्कार योजना एवं संत रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत लाभ प्राप्त करें और उन्होने बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह मदद योजना एवं अन्य योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होने कहा कि श्रमिकों के लिए सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचें। उन्होने कहा कि इन योजनाओं के बारे में अपने बीच के लोगों को जाकर बताए, जिससे वह भी श्रम विभाग में पंजीयन कराकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके। इसके साथ ही उन्होने डेंगू से बचने के उपाय बताते हुए कहा कि अपने आस–पास साफ–सफाई रखे, जल भराव न होने दें, कूडेघ के ढेर न लगने दें और यदि कोई बीमार होता है तो तुरंत जिला अस्पताल में उपचार कराऐं।

मुख्य विकास अधिकारी चर्चित गौड़ द्वारा कन्या सुमगंलम योजना के अन्तर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि पिछले माह कैम्प लगाकर रिकॉर्ड आवेदन कराए गए, जिससे कन्या सुमंगला योजना में जनपद, प्रदेश में तीसरे स्थान पर आया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक मनीष असीजा द्वारा बोर्ड के अन्तर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान कराते हुये अवगत कराया गया कि, जो भी निर्माण श्रमिक बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत नही करा सके है, वह अपना पंजीयन निःशुल्क माह सितम्बर, 2021 तक किसी भी जन सुविधा केन्द्र के माध्यम से करा सकते है। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा असंगठित कर्मकार बोर्ड के अन्तर्गत, जो भविष्य में प्रभावी है, घरों में कार्य करने वाले चूडी श्रमिकों, ठेली लगाने वाले श्रमिक आदि का कार्य करते है, उनकों असंगठित कर्मकार बोर्ड के अन्तर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान कराते हुये उनकों पंजीयन कराने हेतु अनुरोध किया गया। इसके अतिरिक्त उपस्थित छात्र–छात्राओं को जागरुक करते हुये अनुरोध किया गया कि उनके साथी जिनके माता–पिता निर्माण श्रमिक है तथा उनका उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत नही कराया गया है वह अपना पंजीयन किसी भी जन सुविधा केन्द्र के माध्यम से माह सितम्बर, 2021 तक निःशुल्क करा सकते है तथा बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के ऑन लाइन आवेदन पत्र जमा कराकर लाभ प्राप्त करा सकते है। कार्यक्रम का संचालन भगवान दास शंखवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष भाजपा राकेश संखवार, पूर्व सांसद ओमपाल जी निडर, उप जिलाधिकारी राजेश कुमार, श्रम प्रवर्तन अधिकारीगण एस0एस0 पाल, कुँवर सिंह सहित बडी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहें।

प्रधानों पर लगे फर्जी मुकदमों की जांच कराए प्रशासनः रामसेवक

फतेहपुर।अखिल भारतीय प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रामसेवक यादव का प्रयागराज से लखनऊ जाते समय लोधीगंज स्थित जिला कार्यालय पर प्रधानों ने फूल–माला पहनाकर स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानों पर लगे फर्जी मुकदमों की निष्पक्ष जांच प्रशासन कराए। बिना जानकारी मनरेगा मेठों की भर्ती को संगठन कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रदेश अध्यक्ष के काफिले को प्रधानों ने लोधीगंज बाईपास पर रोका। जिला कार्यालय में उनका स्वागत किया गया। स्वागत के पश्चात उपस्थित प्रधानों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सभी प्रधान बिना किसी दबाव के प्रशासन की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने का काम करें। समस्या आने पर संगठन प्रधानों की लड़ाई कंधे से कंधा मिलाकर लड़ेगा। उन्होने कहा कि वर्तमान समय में प्रधानों के ऊपर फर्जी मुकदमें दर्ज किए जा रहे हैं। फर्जी मुकदमों की यदि निष्पक्ष जांच न कराई गई तो संगठन आर–पार की लड़ाई लड़ने को विवश होगा। उन्होने कहा कि शासन द्वारा ग्राम पंचायत को बिना जानकारी दिए मनरेगा मेठों की भर्ती की जा रही है। जो ग्राम पंचायत के अधिकारों का हनन है। जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्वागत करने वालों में जिलाध्यक्ष नदीम उद्दीन पप्पू, स्वामी शरन पाल, उमाशंकर लोधी, अतीश पटेल, विजय सिंह परिहार, सौरभ लोधी, सुरेन्द्र राज भी मौजूद रहे।

शैल त्रिपाठी बनीं भाजपा महिला मोर्चा मंडल प्रभारी

फतेहपुर।भारतीय जनता पार्टी की नवनियुक्त महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ज्योति प्रवीण ने संगठन को मजबूती देने एवं 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को बहुमत दिलाने के लिये अपनी मंजबूत टीम का गठित कर रहीं हैं। जिसके क्रम में जनपद की जुझारू कार्यकर्ता शैल त्रिपाठी को सदर विधानसभा क्षेत्र का मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया है। गुलाबी गैंग संगठन के जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहीं शैल त्रिपाठी को महिला अधिकारों हेतु कार्य करने के लिये जाना जाता है। वर्ष 2014 से भाजपा में कार्यकर्ता के रूप में शामिल होने के बाद महिला सक्रिय कार्यकर्ता के रूप के पहचान हासिल हुई। वर्ष 2008 में गुलाबी गैंग संगठन में सदस्य हैं और बिग बॉस फेम सम्पत पाल के साथ जुड़ने पर उन्हें पहचान मिली। एक वर्ष बाद 2009 में गुलाबी गैंग की शहर अध्यक्ष बनी। वर्ष 2018 में अलग गुट गुलाबी गैंग उत्थान समिति संगठन बनांकर उसकी जिलाध्यक्ष पद का निर्वहन कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आदर्श मानने वाली शैल त्रिपाठी को भाजपा में नई जिम्मेदारी मिलने पर उनके समर्थकों में उत्साह है। घर पहुंचकर नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष को बड़ी संख्या में फूल मालाओं से स्वागत करने व बधाई देने वालो का तांता लगा हुआ है। शैल त्रिपाठी ने बताया कि वह महिला अधिकारों के लिए लगातार कार्य करती आ रही है। महिलाओं की आवाज को और भी जोरदार तरीके से उठाने व न्याय दिलाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर रेनू शर्मा, निर्मला सिंह, मंजू सिंह, ज्ञानमती, उर्मिला, कीर्ति, मधु, पूनम, रेखा पासवान भी रहीं।

करंट से महिला झुलसी

फतेहपुर।सदर कोतवाली क्षेत्र के आबूनगर मुहल्ले में शनिवार की शाम घरेलू बिजली की चपेट में आ जाने से 35 वर्षीय महिला झुलस गई। जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार आबूनगर मुहल्ला निवासी राकेश कुमार की पत्नी शन्नो देवी पंखा चलाने के लिए जैसे ही उसने प्लग लगाया वह करंट की चपेट में आ गई। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने उसे आनन–फानन उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया।

किसान चौपाल में बोली राष्ट्रीय प्रवक्ता

मवई–अयोध्या।(आरएनएस) उत्तर प्रदेश कांग्रेस घोषणा समिति के चेयरमैन तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद के नेतृत्व में समिति के सदस्य शनिवार को मवई ब्लाक के रानीमऊ स्थित निर्मल कुटिया पर पहुंच कर किसान चौपाल में शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित किसानों नवजवानों तथा बुद्धजीवियों से सुझाव मांगे। सभी लोगों ने बारी बारी से घोषणा पत्र समिति के सदस्यों के सामने अपनी समस्याएं रखीं। लोगों की समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुनकर नोट किया। ज्यादातर लोगों की समस्याएं महंगाई, कर्जमाफी, बिजली की बढ़ी हुई कीमतें तथा किसानों की फसलों को नुकशान पहुंचा रहे छुट्टा जानवरों को लेकर थी।लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद उपस्थित कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेट ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस बार विधान सभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी कमरे में बैठकर विशेषज्ञों के साथ मिलकर घोषणा पत्र नही बनायेगी।कांग्रेस का घोषणा पत्र जनता की अपेक्षाओं का जनता की इच्छाओं का जनता के सुझाओं का प्रतिबिम्ब होगा।

उन्होंने कहा कि जब घोषणा पत्र कांग्रेस जारी करेगी तो लोगों को लगेगा कि कांग्रेस ने यह बात कही थी इसलिये घोषणा पत्र में है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि जनता को समझना होगा कि कांग्रेस पार्टी की उत्तर प्रदेश में 32 वर्षों से सरकार नही है तो जनता का क्या हाल हुआ होगा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्यों हमारी मां बेटियां कह रही है कि हमारे पास विधवा पेंशन राशन नही है। जब कांग्रेस ने खाद्य सुरक्षा बिल पास किया था तो जनता को राशन मिलना चाहिये अगर नही मिलता तो यह सरकार की विफलता है।जनता को सोचना पड़ेगा कि कांग्रेस पार्टी को छोड़कर जिसका हाथ थामा था उसने आज जनता को लेकर कहाँ छोड़ दिया।उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ महिला अपराधों महंगाई के खिलाफ तथा किसानों के समर्थन की बात सिर्फ कांग्रेस ही कर रही है। सुप्रिया श्रीनेट ने कहा कि आज किसी की चाभी सीबीआई के पास है किसी की इनकम टैक्स के पास है चाभी घुमा दी जाती है बड़े बड़े विरोधी नेता चुपचाप बैठ जाते हैं।लेकिन कांग्रेस पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो जनता के बीच जाकर लोगों की बात रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप लोग वोट देते वक्त जरूर जो रोल रहा है पिछले पांच सालों में कांग्रेस का उसके बारे में सोंचियेगा।उन्होंने कहा कि 32 साल पहले कितना विकास होता था बड़े बड़े उद्योग लगते थे आज ठप पड़े हुए हैं।सुप्रिया श्रीनेट ने कहा कि यहां पर जितने सुझाव मिलें है उन सभी सुझाओं को कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व तक पहुँचाया जायेगा।जब कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी होगा तो उसमें इन सुझाओं को शामिल किया जायेगा। किसान चौपाल के आयोजक वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पी सी सी सदस्य दयानन्द शुक्ला ने उपस्थित नेताओं तथा कार्यकर्ताओं व किसानों का आभार प्रकट किया।इस अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी,अमिताभ राज,प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह,प्रदेश सचिव तथा जिला प्रभारी हनुमंत विश्वकर्मा,जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव,महासचिव विजय पाण्डेय,जिला सचिव मुजतबा खाँ, ब्लाक अध्यक्ष परमानन्द शुक्ला,पी सी सी सदस्य मुनीर अहमद खां, कारिब करनी,हाजी अकील खाँ,बार एसोसिएशन रूदौली के पूर्व अध्यक्ष अफसर रजा रिजवी, आदिनाथ मिश्रा, प्रताप बहादुर सिंह,रूदौली नगर अध्यक्ष तारिक रूदौलवी, रणजीत सिंह,मान सिंह,बफाती,राम कृष्ण शुक्ला,गयास खाँ, मो0 इलियास,पतिराम यादव,हरिकेश कुमार गुड्डू रायपुर,जियाउल इस्लाम,मसरूर खान,जगतपाल रावत,समीउल्ला,मुजफ्फर हसन आदि लोग उपस्थित थे।

डीएम व एसपी ने मलवां थाने में सुनीं पीड़ितों की समस्याएं

फतेहपुर।पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाए जाने के उद्देश्य से शनिवार को जिले के सभी थानों पर सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे व पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने मलवां थाना पहुंचकर पीड़ितों की समस्याएं सुनकर उन्हें निस्तारण का भरोसा दिलाया। आठ प्रार्थना पत्रों में तीन का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि उप जिलाधिकारी राजस्व संबंधित शिकायतों के मामले में मौके पर जाकर शिकायतों का निस्तारण कराएं। सभी राजस्व कर्मी अपने–अपने क्षेत्र के शिकायत रजिस्टर में शिकायतों को दर्ज करते हुए शीघ्र उसका निस्तारण गुणवत्तापूर्ण करना सुनिश्चित करें। राजस्व कर्मी व पुलिस विभाग आपस में समन्वय बनाकर शिकायतों का निस्तारण तत्परता से करें। एसपी ने कहा कि यदि राजस्व कर्मियों को कहीं भी पुलिस की जरूरत पड़ती है तो वह तत्काल थाने से पुलिस बल लेकर प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त जन शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उधर जिले के अन्य थानों पर भी आयोजित सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस में संबंधित अधिकारियों से फरियादियों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण कराने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद झा, उप जिलाधिकारी बिंदकी विजय शंकर तिवारी, अपर उप जिलाधिकारी प्रियंका, क्षेत्राधिकारी संजय कुमार सिंह, राजस्व कर्मी एवं अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

जरूरतमंद परिवारों को बांटी गई राशन सामग्री

फिरोजाबाद। कोमल फाउंडेशन द्वारा एवं एमसीकेएस फूड फॉर द हंगर फाउंडेशन दिल्ली व सेन्टर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च के सहयोग से राशन वितरण कार्यक्रम के तहत शनिवार को 20 जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री का वितरण कबीर नगर, फिरोजाबाद पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बाल कल्याण समिति फिरोजाबाद की पूर्व सदस्या श्रीमती कुमुद शर्मा रही। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना बहुत ही सराहनीय एवं पुण्य का कार्य है इस कार्य हेतु संस्था के सभी पदाधिकारी प्रशंसा के पात्र हैं तथा जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री वितरण कर बहुत ही अच्छा कार्य किया गया है। कोमल फाउंडेशन के अध्यक्ष अश्वनी कुमार राजौरिया ने कहा कि हमारा प्रयास है कि कोई भी जरूरतमंद परिवार इस कोरोना काल में भूखे पेट ना रहे। इस दौरान इंडियन गॉधी, सुमित्रा, गुरुगोविन्द, सन्नी, तारावती आदि उपस्थित रहे।

राहगीरों ने बयां किया दर्द

धाता–फतेहपुर। व्यापार मण्डल अध्यक्ष भानु प्रताप केशरवानी, बाबूलाल गुप्ता, जुगल केशरवानी, राजकुमार सिंह, धीरेन्द्र केशरवानी, सर्वसमाज कल्याण के अध्यक्ष चंदन सिंह, विवेक सिंह, प्रदुम सिंह, सहबान सिद्दीकी, राहुल सिंह ने कहा कि सड़क खराब होने से लोगों को बाजार आने जाने में कठिनाई होती है। सड़क पर गड्ढों में पानी भरे होने के कारण आने जाने में अधिक समय लग रहा है और चोट लगने की संभावना बनी रहती है। लोगों ने सड़क की मरम्मत कराने की मांग उठाई है।

एसओजी एवं पुलिस टीम ने किया चोरी की नौ बाइक के साथ दो को गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। एसओजी एवं पुलिस ने नौ चोरी की बाइक के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपित के पास से 315 बोर का तमंचा एवं कारतूस बरामद किया है। दोनों चोरी की बाइक को चुराकर इसका पार्ट ग्राहकों की बाइक में लगाते थे।

एएसपी सुरेश चंद्र रावत व सीओ क्राइम प्रदीप कुमार यादव ने यह जानकारी पुलिस लाइन सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में संयुक्त रूप से दी। उन्होंने टीम को पांच हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की। एएसपी रावत ने बताया कि बांसी कोतवाली क्षेत्र के देवभरिया गांव निवासी अरुण पासवान बाइक मेकैनिक है। वह पहले मिठवल कस्बे में बाइक बनाने का कार्य करता था।

वर्तमान में वह आजमगढ़ जनपद के बिद्रा बाजार में बाइक बनाने का कार्य करता है। वह अपने घर आया था। सुबह पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम अपराधियों को पकड़ने के लिए मिठवल रोड पर वाहन चेकिग कर रही थी। अरुण बाइक लेकर जा रहा था। टीम ने रोक कर कागजात मांगा तो वह नहीं दिखा

पाया। कड़ाई से पूछताछ में उसने बताया कि बाइक चोरी की है। तलाशी के दौरान उसके पास से असलहा व एक जिदा कारतूस भी बरामद हुआ। उसके बताए स्थान भतिजवापुर गांव में ओम ने जब रशीद के घर तलाशी लिया उसके नाम एक बाइक मिली। उसने घर में सात और चोरी की बाइक को छुपाकर रखा था। तो चोरी की तलाशी के दौरान असलहा भी उसके पास मिला। आरोपितों ने स्वीकार किया कि बाइक का नंबर प्लेट बदल कर वह ग्राहकों को बेचने का भी कार्य करते हैं। बरामद चार बाइक बांसी कोतवाली क्षेत्र से चोरी हुई थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था, जबकि एक बाइक आजमगढ़ से चुराई गई थी। शेष का पता लगाने में पुलिस जुटी है। गिरफ्तारी टीम में कोतवाल बांसी छत्रपाल सिंह, एसओजी प्रभारी जीवन त्रिपाठी, निरीक्षक देवनंदन उपाध्याय, उपनिरीक्षक राम प्रकाश चंद्र,मधुसुदन यादव,उपेंद्र प्रजापित,सुनील कुमार मौर्या,नौमी नाथ यादव, अखिलेश यादव, राजीव शुक्ला, रमेश यादव, विरेंद्र त्रिपाठी, पवन तिवारी, अवनीश सिंह, मृत्युंजय कुशवाहा शामिल रहे।

इं. रामफेर उर्फ अंशु यादव बाढ़ प्रभावित गांवों में वितरित कर रहे खाद्य सामग्री

डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के अंदुआ शनिचरा तथा तेतरी मे बांटा राशन।

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर। रविवार को डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के बाढ प्रभावित गांवो में युवा सपा नेता इंजीनयर रामफेर उर्फ अंशु यादव के सौजन्य से सपा जिला सचिव सुरेश चंद्र यादव के नेतृत्व में पीड़ितों को खाद्य सामग्री,वितरित किया गया।क्षेत्र के तेतरी और अंदुआ शनिचरा मे लोगों को आलू,दाल,चीनी,लाई,तेल,आटा, प्याज,विस्कुट ,नमकीन,माचिस आदि आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया।इस दौरान कुलदीप पांण्डेय,पप्पू,शेषराम,नफीस मलिक,कौशल किशोर,रिंकू मिश्रा,साधू गौड़,नसीम अहमद,मोहम्मद सईद, पवन गुप्ता ओमप्रकाश श्रीवास्तव, अजय यादव, बाबू राम यादव आदि मौजूद रहे।

सांसद जगदंबिका पाल ने किया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ

अनंत मिश्रा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। नगर पंचायत उसका बाजार में स्वर्गीय जोखन गुप्ता मानव सेवा संस्थान के तत्वाधान में उच्च कुशल डाक्टर के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, दवा वितरण किया गया। बाढ़ ग्रस्त दूर दराज आए लोगों ने जांच कराया। जांच में सर्दी ,जुखाम,बुखार, हड्डी रोग, ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी बीमारियों का जांच किया। जिसमें मुख्य अतिथि डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल के कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया साथ में कहा कि इस बाढ़ जैसी आपदा में हमारे द्वारा जो भी मदद होगा हम पूरी तरह से तैयार है और आज जिस तरह से मानव सेवा संस्थान द्वारा कैंप लगाकर निशुल्क जांच दवा का वितरण किया जा रहा वह काबिले तारीफ है और हम सेवा संस्थान के आयोजक गयादीन गुप्ता जी को इस कार्यक्रम के लिए हर संभव मदद करने का प्रयासरत रहूंगा। कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन हेमंत कुमार जायसवाल, एसपी अग्रवाल, बिंदुमती मिश्र,शिव शरण चौरसिया, सत्य प्रकाश वर्मा, सोमनाथ मिश्र, गोलू अग्रहरी बलराम जयसवाल, राकेश आर्य आदि।

संगठन विस्तार को लेकर शोहरतगढ़ व्यापार मंडल सक्रिय

क्षेत्र के छोटे एवं ठेला व्यापारियों होगे मजबूत- जिलाध्यक्ष अनिल सिंह

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर।जनपद सहित अन्य तहसीलों में गठित की गई व्यापार मण्डल की इकाइयों ने उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल (पंजीकृत) के बैनर तले संगठन के बिस्तार को लेकर पदाधिकारियों ने अपनी कमर कस ली है।उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल (पंजीकृत) की माने तो उनका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के समस्त औद्योगिक एवं व्यवसायिक संगठनों का केंद्रीय मण्डल बनाना है। शोहरतगढ़ इकाई के पदाधिकारियों की सूची जारी करते हुए जिलाध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि शोहरतगढ़ तहसील इकाई का व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गयी है, ताकि क्षेत्र के छोटे एवं ठेला व्यापारियों को और मजबूत किया जा सके।उन्होंने बताया कि शोहरतगढ़ तहसील इकाई में अध्यक्ष के रूप में शैलेन्द्र कुमार कौशल, उपाध्यक्ष के रूप में अनूप कसौधन, मुकेश कुमार पोद्दार, कौशल किशोर उमर, राजेन्द्र कुमार कान्दू, वरिष्ठ महामंत्री के रूप में नगर पंचायत सभासद मनोज कुमार गुप्ता, महामंत्री के रूप में राजेश कुमार कसौधन, बृजबिहारी मिश्रा, कोषाध्यक्ष के रूप में महेश कसौधान, नगर सचिव के रूप में राशिद, रविन्द्र कुमार, रूपेश वर्मा, रवि गुप्ता, मीडिया प्रभारी श्रवण पटवा एवं प्रशांत कुमार मिश्रा को मनोनीत किया है। साथ ही संरक्षक के रूप में किशोरी लाल गुप्ता, अभय प्रताप सिंह, नवाब खान, रवि अग्रवाल, राज कुमार मोदनवाल, रविन्द्र कुमार वर्मा, महावीर वर्मा, गोविन्द लाल गुप्ता, बबलू (जे०जे०) राजकुमार अग्रवाल को चुना गया है। उन्होंने 24 अगस्त के पत्र में नये संगठन के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी है। शोहरतगढ़ तहसील इकाई के मनोनीत अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार कौशल ने बताया की संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी मिली है उसे निभाऊंगा, जिससे समाज के अन्य व्यपारियो को लाभ मिल सके।

बेसिक शिक्षा मंत्री ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील के अन्तर्गत प्रदेश के

बेसिक शिक्षा मंत्री व इटवा विधायक डॉव सतीश द्विवेदी नेआज अपने विधानसभा क्षेत्र इटवा के परसोहन, लमुईया, इमिलिया, कोहेलवा, पहाड़ापुर, बसन्तपुर, बेलभरिया, दलपतपुर, छगड़िहवा, बैरिहवा, खिरहिटिया एवं मुड़िलिया आदि बाढ़ प्रभावित गाँवों का निरीक्षण किया और मौके पर उपस्थित उपजिलाधिकारी इटवा को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का सर्वे कराकर फसलों की क्षतिपूर्ति तथा नाव सहित अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामकृपाल चौधरी, जिला मंत्री अजय गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष इटवा दीपनारायण त्रिपाठी, वरिष्ट नेता सुधीर त्रिपाठी, चीनके गुप्ता, सदानंद शुक्ला, थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर रणधीर मिश्रा, चौकी प्रभारी बिस्कोहर आदि लोग उपस्थित रहे।

दो दिन से गायब व्यक्ति की लाश मिली

रवि जायसवाल/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। थाना जोगिया अंतर्गत ग्राम पंचायत भुतहिया का रहने वाला था। जिसका नाम,अयोध्या,पुत्र घुरहू जिसका उम्र 60, वर्ष था जो पिछले 2 दिनों से गायब था आज रविवार को गांव के पास पानी में लास ग्रामीणों ने देखा इसके बाद ग्रामीणों द्वारा सूचना पाकर कोतवाली जोगिया मौके पर पहुंच कर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया।

मोदी योगी के नेतृत्व में हो रहा सबका साथ सबका विकास: श्यामधनी राही

भाजपा बर्डपुर मण्डल के बूड़ा सेक्टर में विधायक ने किया बूथ समितियों का सत्यापन।

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बर्डपुर। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के आह्वाहन पर बूथ विजय अभियान के अंतर्गत चल रहे बूथ सत्यापन अभियान को लेकर रविवार को बर्डपुर मंडल के बूड़ा सेक्टर में मण्डल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय की अध्यक्षता में सदर विधायक श्यामधानी राही ने क्षेत्र के कई बूथ समितियों के सत्यापन में मौजूद रहे। सत्यापन के दौरान उन्होंने बूथ अध्यक्ष तथा उनकी समितियों के पदाधिकारी तथा सदस्यों से मुलाकात कर सत्यापन किया तथा उनका कुशलक्षेम भी जाना। इस दौरान उन्होंने बीजेपी की केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों और जनकल्याण हेतु शुरू की गई योजनाओं को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व की भाजपा सरकार ने सबका साथ, सबका विकास के नारे को सच साबित करके दिखाया है। बीजेपी सरकार द्वारा जनकल्याण को लेकर संचालित सैकड़ों परियोजनाएं आज इसका जीवंत उदाहरण हैं। पीएम मोदी को लेकर उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में राष्ट्र ही नही बल्कि अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक नई पहचान मिली और आज भारत देश दुनिया की महाशक्ति बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि पहले देश में अविश्वास का माहौल था, उग्रवाद, आतंकवाद और नक्सलवाद अपने चरम पर था, लेकिन बीजेपी की सरकार आने के बाद से देश का माहौल बदला है। वहीं उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की भाजपा सरकार के उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि इन चार वर्षों में योगी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासश् के मंत्र को अपनाते हुए राज्य के 24 करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में लगी रही। उनकी सरकार ने चुनौतियों का समानता करते हुए लोगों के लिए संभावनाओं एवं अवसरों के द्वार खोले। चार साल के शासन पर संतुष्टि जाहिर करते हुए उन्होंने कहा है कि उनकी सरकार जनता के हित में अपनी नीतियों को लागू करने में सफल हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार की तारिफ करते हुए कहा कि अमेरिका और इजरायल के बाद भारत तीसरा देश है जिसने दुश्मन को उसकी सीमा में घुसकर करारा जवाब दिया है।

उन्होंने कहा, श्यह मोदी जी का ही दम था कि तीन तलाक की कुरीति को दूर करने के लिए कदम उठाया। इस दौरान जान्हवीमणि त्रिपाठी, अरविंद तिवारी, हरिशंकर तिवारी, राजेंद्र शुक्ल, कैलाश नाथ, कृष्ण कुमार शुक्ला , हरिश्चंद्र कन्नौजिया ,मारकंडे मिश्रा ,प्रहलाद कुमार, सौरभ पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सदर विधायक श्यामधनी राही ने अधिकारियों संग किया निरीक्षण

प्रभावित गांव में राहत सामग्री तथा दवाओं के वितरण को लेकर अधिकारियों को किया निर्देशित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। ककरहवा क्षेत्र के बाढ़ से प्रभावित गांव बूड़ा,

खैराटी, सेमरी,रामनगर,बगही,पतिला, महदेईया तथा सिकरी क्षेत्र के लकड़ा, लकड़ी, बूड़ा, तुरकौलिया मुडिला,दैजौली, खैराटी, महथावल, रासियावल खुर्द आज गांव में रविवार को सदर विधायक श्याम धनी राही ने अपर जिलाधिकारी तथा तहसीलदार सदर के साथ निरिक्षण कर क्षेत्र में आई बाढ़ की विभीषिका का आंखों देखी हाल जाना । इस दौरान सदर विधायक ने बाढ़ से प्रभावित गांव में तत्काल राहत सामग्री के वितरण के साथ ही बाढ़ से प्रभावित हुई किसानों की फसलों के मुआवजा दिलाए जाने तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने कई स्थानों पर ठोकर निर्माण के साथ पुलिया के निर्माण को लेकर भी मांग उठाई।

विधायक व सांसद की उपस्थिति में बंटा बाढ़ राहत सामग्री

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर। रविवार को दिन में लगभग 3 बजे डुमरियागंज विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह एवं सांसद जगदंबिका पाल की उपस्थिति में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के पिकौरा गांव में सैकड़ों परिवारों को बाढ़ राहत किट वितरण किया गया।बाढ़ राहत सामग्री किट मे 10 किलो आटा, 10 किलो चावल, 10 किलो आलू, 5 किलो लाई, 2 किलो दाल, 2 किलो चना के साथ ही साथ भूंजा लाई, गुड़, नमक, मसाला, धनिया, मोमबत्ती, हल्दी, धनिया, मिर्च बिस्कुट तथा साबुन, सहित आवश्यक घरेलू वस्तुएं कुल 3 किटों में 16 आईटम वितरण किया। जिससे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को कोई कष्ट न हो। इस दौरान सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता रहेगी की बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या ना होने पाए और हम लोग हर संभव मदद करने के लिए हमेशा तत्पर हैं। वही विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पिछले 2 सप्ताह से हम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में ही हैं और हर संभव मदद बाढ पीड़ितों का कर रहे हैं।इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेंद्र सिंह,भनवापुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लवकुश ओझा, राजेश द्विवेदी, उप जिलाधिकारी डुमरियागंज त्रिभुवन कुमार ,लाल जी शुक्ला, रमेश गुप्ता, अंकित श्रीवास्तव एवं तहसील के लेखपाल भी उपस्थित रहे।

नितेश मित्तल बने भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष

शोहरतगढ़ के मूल निवासी है नितेश मित्तल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ कस्बे के मूल निवासी एवं भाजपा नेता नितेश मित्तल को भाजपा पूर्वांचल मोर्चा नोएडा महानगर का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। नए पद की जिम्मेदारी मिलने पर डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल, गौतम बुद्ध नगर सांसद डॉ महेश शर्मा, नोयडा विधायक पंकज सिंह, नोयडा जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता, नोयडा पूर्वांचल मोर्चा जिलाध्यक्ष हरीश वर्मा सहित भाजपा शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।उन्होंने बताया कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा जो जिम्मेदारी मिली उसे पूरी निष्ठा व लगन से निभाऊंगा। उक्त की जानकारी होने पर सांसद प्रभारी सूर्यप्रकाश पाण्डेय, शिवशक्ति शर्मा, वीरेंद्र मोदनवाल सहित क्षेत्रीय लोगों व उनके चाहने लोगों ने नितेश मित्तल को बधाई दी है। विदित हो कि नितेश मित्तल के बाबा स्व० शिवलाल मित्तल जी शोहरतगढ़ विधानसभा से विधायक रहे और इनका परिवार हमेशा से ही समाजसेवा भाव से राजनीति में सक्रिय रहा।

बानगंगा नदी खतरे के निशान से पार कर जलस्तर 93.80 तक पहुंचा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थ नगर। पिछले कुछ दिनों से जिले समेत नेपाल में हो रही भारी बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ता ही जा रहा है। रविवार को बानगंगा नदी में आए ऊफान से जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है जिससे आसपास के गांवों के ग्रामीणों में दहशत है। जिले की सभी नदियां नेपाल से निकलने के कारण नेपाल में भारी बारिश होने से यहां बाढ़ आ जाती है। वर्तमान में पिछले सात दिनों से जिले समेत नेपाल में भी हो रही भारी बारिश का असर जिले की नदियों पर नजर आने लगा है।रविवार को दिन मे 5 बजे बानगंगा नदी खतरे के लाल निशान 93.00 से पार कर जलस्तर 93.80 तक पहुंच गया। नदी के जलस्तर में पिछले दिनों से धीरे–धीरे बढ़ोत्तरी हो रही है। बानगंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बहनें के कारण महथा रेलवे लाइन ब्रिज के दक्षिण गांव के रिंग बाध टूटने के कगार पर पहुंच गई है जिससे महथा गांव के ग्रामीण दहशत में है। ड्रेनेज खंड सिंचाई विभाग बानगंगा के जूनियरअधिशासी अभियंता अभिजीत सिंह ने बताया कि बानगंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

बढ़नी ब्लाक में बाढ़ ने मचाई तबाही,सडकें डूबी, घरों में घुसा पानी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लाक क्षेत्र के दर्जनों गांव बाढ़ के पानी से घिर चुके है। फसलों के साथ अब घरों में भी बाढ़ का पानी घुस चुका है। बूढ़ी राप्ती नदी का लगातार बढ़ता जलस्तर अब तबाही का रूप ले रहा है। कठेला तुलसियापुर मार्ग पर जगह जगह पानी भर जाने से आवागमन ठप है।तहसील क्षेत्र के खैरी शीतल प्रसाद में स्थिती बदतर है।यहां पिछले एक सप्ताह से पूरा गांव बाढ़ के पानी से घिरा हुआ है। जलस्तर बढ़ने के कारण अब घरों में भी पानी घुस चुका है।शनिवार सुबह से ही बूढ़ी राप्ती के जलस्तर में तेजी बढोतरी हुई जिसके कारण खैरी ऊर्फ झुंगहवा, मटियार ऊर्फ भुतहवा, तौलिहवा गांव का टोला इटहिया, बालानगर, कचरिहवा, प्रतापपुर आदि दर्जनों गांवो में बाढ़ के पानी ने तबाही मचाना शुरू कर दिया है। घरों में पानी घुस चुका है।बाढ़ को देखते हुए क्षेत्र के किसानों के फसल बर्बाद होने की चिंता सता रही है। पिछले कई दिनो से सैकड़ों बीघा फसल पानी पूरी तरह से डूबी हुई है।

सम्पादकीय

राजनीतिक दलों को भी अपने मंत्रियों व नेताओं को मर्यादित भाषा के प्रयोग के लिये बाध्य करना चाहिए। दरअसल, जब नेता लक्ष्मण रेखा लांघते हैं तो कार्यकर्ता उससे कहीं आगे निकलकर मर्यादाएं भंग करने निकल पड़ते हैं, जिसका समाज पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है...

प्रतिशोध की राजनीति

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के विवादित बोल के बाद शिव सैनिकों के उत्पात और राणे की गिरफ्तारी ने बदले की राजनीति का विद्रूप चेहरा ही उजागर किया। निस्संदेह मर्यादा दोनों ओर से लांघी गई। लेकिन शिव सेना सरकार ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का बदला जिस तरह सरकार की ताकत से लिया, वह भारतीय लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत तो कदापि नहीं है। राणे व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बीच टकराव कोई नयी बात नहीं है। कभी शिवसेना में बाला साहब ठाकरे का प्रिय होने पर मुख्यमंत्री की कुर्सी तक हासिल करने वाले नारायण राणे को बाद में जिस तरह शिवसेना से बाहर का रास्ता दिखाया गया, उसमें उद्धव ठाकरे की भूमिका को राणे मुख्य मानते रहे हैं। तब राणे कांग्रेस में गये, अपनी पार्टी बनायी और फिर भाजपा में शामिल हो गये। कालांतर में राज्यसभा के रास्ते केंद्र सरकार में मंत्री पद हासिल करने में सफल रहे। फिलहाल राणे भाजपा द्वारा नये मंत्रियों के जरिये पूरे देश में शुरू की गई जन आशीर्वाद यात्रा के तहत जनसंपर्क अभियान में जुटे थे। वैसे तो वे पहले से ही शिवसेना के निशाने पर थे। यही वजह है कि महज चार दिनों में उनकी यात्रा के खिलाफ चालीस मुकदमें दायर किये गये थे, जिसमें कोरोना काल में कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन भी शामिल है। वहीं अगले साल देश के सबसे बड़े बजट वाले वृहन्नमुंबई नगर निगम के चुनाव को लेकर भी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। इस विवाद को भी इसी कड़ी के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। वर्ष 2019 में जो भाजपा शिवसेना कार्यकर्ता कंधे से कंधा मिलाकर चुनाव की तैयारी में जुटे थे, उन्होंने राणे के बयान के बाद हिंसा व पथराव में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। राजनीतिक टकराव के चलते महाराष्ट्र की कानून–व्यवस्था पर असर पडना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। जब राजनीति में मर्यादाएं टूटती हैं तो ऐसी अप्रिय स्थितियां ही पैदा होती हैं। निस्संदेह राणे की गिरफ्तारी भारतीय राजनीति में क्षरण की बानगी दिखाती है। इसमें दो राय नहीं कि राणे द्वारा उद्धव ठाकरे के विरुद्ध की गई टिप्पणी अमर्यादित थी, जिसके चलते शिवसेना ने तल्ख प्रतिक्रिया दी। उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। शुरुआत में उन्हें अग्रिम जमानत भी नहीं मिली और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुराने टकराव के चलते उद्धव ठाकरे ने भी सरकार की ताकत दिखाने में कोई देरी नहीं की। ऐसा भी नहीं है कि पहली बार किसी राजनेता ने ऐसा अमर्यादित बयान दिया हो। खुद विधानसभा चुनाव के दौरान उद्धव ठाकरे पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरुद्ध ऐसा ही अपमानजनक बयान देने का आरोप लगा था। आये दिन ऐसे अमर्यादित बयान देने वाले नेताओं की यदि गिरफ्तारी होने लगे तो गिरफ्तार नेताओं की सूची खासी लंबी हो जायेगी। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विताओं का मुकाबला राजनीति के जरिये करने के बजाय कानून की ताकत के जरिये करने की प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण ही है। वैसे अतीत में भी राजनेता अपने विरोधियों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बहुत कुछ कहते रहे हैं लेकिन भाषा को इतने निचले स्तर पर नहीं गिरने दिया जाता था। ये न तो समाज में स्वीकार्य है और न ही इसके बाद संसदीय व्यवहार सहजता से संभव हो पाता है। यही वजह है मुखर विरोध के बावजूद राजनेता आपसी व्यवहार की गुंजाइश बनाये रखते हैं। लेकिन धीरे–धीरे भारतीय राजनीति में मर्यादाओं को भंग करने का फैशन हो गया है। जो जितना ज्यादा तीखा व अप्रिय बोलता है, उसे जनता का ध्यान आकृष्ट करने का सक्षम जरिया मान लिया जाता है।

निजी हित साधने का न बने हथियार

अनूप भटनागर

समाज के कमजोर और न्याय तक पहुंच से वंचित तबकों के हितों की रक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा अस्सी के दशक में शुरू की गयी जनहित याचिका, जो पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन के नाम से ज्यादा चर्चित है, प्रणाली आज जनता के मौलिक अधिकारों की रक्षा और इनके प्रति उदासीन कार्यपालिका और भ्रष्ट नौकरशाही को कटघरे में लाने के लिए एक कारगर हथियार बन चुकी है। लेकिन दुरुपयोग के चलते न्यायालय ने कई मामलों में इसे पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन या प्राइवेट इंटरेस्ट लिटिगेशन बताते हुये खारिज भी कर दिया। फलतरू उच्चतम न्यायालय ने ऐसी याचिकाओं पर कड़ा रुख अपनाना शुरू कर दिया है। अब अगर न्यायालय को पहली नजर में लगता है कि अमुक जनहित याचिका पब्लिसिटी या प्राइवेट हित के लिए है तो वह उसे खारिज ही नहीं कर रहा बल्कि याचिकाकर्ताओं पर जुर्माना भी लगा रहा है। कई बार याचिकाकर्ता किसी विषय के बहुत अधिक विवादास्पद होने पर सिर्फ अखबार की खबरों के आधार पर ही आधी–अधूरी जानकारी के साथ जनहित याचिका दायर कर रहे हैं। कई मामलों में एक निश्चित अवधि के लिए याचिकाकर्ताओं पर ऐसी याचिका दायर करने पर रोक भी लगाई गई है। मौलिक अधिकारों की रक्षा के नाम पर संविधान के अनुच्छेद 32 और अनुच्छेद 226 के अंतर्गत दायर होने वाली जनहित याचिकाओं में कमी नहीं आई है। इस समय उच्चतम न्यायालय में ही 2880 से ज्यादा ऐसी याचिकाएं लंबित हैं। इनमें से पर्यावरण की रक्षा और प्रदूषण संबंधी कुछ जनहित याचिकाएं तो 1984–85 से न्यायालय में लंबित हैं। इनमें लगातार फैसले और अंतरिम आदेश आते रहते हैं। जुलाई के अंत तक पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में पीआईएल की श्रेणी में सबसे ज्यादा 1312 मामले लंबित थे। देश के संविधान या किसी कानून में जनहित याचिका परिभाषित नहीं है। यह व्यवस्था नागरिकों को संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय की व्याख्या की देन है। इस व्याख्या ने मौलिक अधिकारों के दायरे का भी विस्तार किया है और निजता के अधिकार, भोजन का अधिकार और स्वास्थ्य सुविधा के अधिकार को इसी के दायरे का हिस्सा माना है। कोरोना वैश्विक महामारी में कामगारों से लेकर पेगासस जासूसी कांड और पर्यावरण से लेकर रैन बसेरों की स्थिति जैसे मामले जनहित याचिकाओं के कारण ही सुर्खियों में आये हैं। इन मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के कारण कार्यपालिका तथा नौकरशाही को इस ओर तत्परता से कदम उठाने पड़े। जनहित याचिकाओं की शुरुआत 1980 के दशक में बिहार की जेलों में विचाराधीन कैदियों की अमानवीय स्थिति और भागलपुर जेल में कैदियों की आंख फोडने की घटना शीर्ष अदालत के संज्ञान में लाए जाने के साथ हुई थी। इनके अलावा पूर्व नौकरशाह और सैन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और आम जनता भी जनहित याचिका दायर करती रहती है। इनमें से अनेक मामलों में उन्हें सफलता मिली है। लोकपाल की नियुक्ति, देश में पुलिस सुधार से लेकर लोकपाल कानून का सृजन और लोकपाल, सीवीसी तथा सीबीआई प्रमुख के पदों पर नियुक्ति जैसे अनेक मुद्दों पर इस प्रक्रिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तालिबान पर दहाड़ता पंजशीर का शेर

बहरहाल, पंजशीर घाटी एक ऐसा अभेद्य किला है कि जहां के भूल–भुलैया का समझने में विफल तालिबानी वहां जाने से कतराते हैं। यह इलाका सालेह को सुरक्षा कवच देता है। यहां तक कि पिछले चालीस सालों में सोवियत सेनाएं, तालिबान व अमेरिकी सेनाएं कभी जमीनी कार्रवाई न कर सकी हैं। सालेह कह रहे हैं वे उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं पर खरे उतरेंगे, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया है। कहा जा रहा है कि ...

अरुण नैथानी

अब जब अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो चुका है और देश में अराजकता का दौर है, एक बुलंद आवाज तालिबान के खिलाफ उठी है। राष्ट्रपति अशरफ गनी के पलायन के बाद अफगानिस्तान के संविधान के मुताबिक उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने खुद को अफगानिस्तान का राष्ट्रपति घोषित किया। वे तालिबानी निरंकुशता के खिलाफ भयाक्रांत अफगान जनता की आवाज बने। आज की तारीख में सालेह तालिबान की आंख की किरकिरी बने हुए हैं। दरअसल, सारे अफगानिस्तान में तालिबान के लिये पंजशीर घाटी एक चुनौती बनी हुई है। यह वह वीरों की घाटी है जो कभी भी न तो सोवियत सेनाओं और न ही तालिबान के कब्जे में आयी है। हाल ही में तालिबान लड़ाकों को इस पर कब्जे की कोशिश में भारी क्षति उठानी पड़ी, फिलहाल एक दूसरे पर हमला न करने का दोनों पक्षों में समझौता हुआ है। दरअसल, तालिबान अफगानिस्तान में पैर जमाने की कोशिश में है। अच्छी बात यह है कि अमरुल्लाह सालेह भारत के करीबी दोस्त माने जाते हैं और उनके भारतीय गुप्तचर संस्थाओं से बेहतर संबंध रहे हैं। दबंग व मुखर अमरुल्लाह सालेह लगातार पाक पर हमलावर रहे हैं। वे दुनिया को बताते रहे हैं कि अफगानिस्तान की अस्थिरता पाक की वजह से है। यह भी कि तालिबान पाक का पैदा किया हुआ भस्मासुर है। यहां तक कि वे पाक के मुखिया रहे जनरल मुशर्रफ को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पटखनी दे चुके हैं। वे लगातार तालिबान की निरंकुश सत्ता के खात्मे का संकल्प जताते रहे हैं। दरअसल, पंजशीर घाटी के वीरों ने हमेशा तालिबानियों को कड़ी चुनौती दी है। यहां की भौगोलिक संरचना ने तालिबान को घुसने की कभी इजाजत ही नहीं दी। हालांकि तालिबान ने कई बार अमरुल्लाह सालेह पर जानलेवा हमले किये। वे तालिबान के खिलाफ ऐलान–ए–जंग कर चुके हैं। दरअसल, अमरुल्ला सालेह ने पंजशीर के शेर कहे जाने वाले अफगान हीरो कमांडर अहमद शाह मसूद के नेतृत्व में जंग का हुनर सीखा। किसी समय पाकिस्तान में हथियार चलाने का प्रशिक्षण लेने वाले सालेह आज पाक की पोल–पट्टी खोलते रहते हैं। वे अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति बनने से पहले देश की खुफिया एजेंसी एनडीएस के प्रमुख थे। दरअसल, अमरुल्ला सालेह का संबंध अफगानिस्तान के ताजिक जातीय समूह से है। यही वजह है कि अल्पसंख्यक समुदाय का होने के कारण वे तालिबान के निशाने पर रहे हैं। इस संघर्ष में अमरुल्ला सालेह ने बड़ी कीमत भी चुकायी है। सालेह तक पहुंचने के लिये तालिबानी आतंकियों ने उनकी एक बहन का अपहरण करके यातानाएं दीं, बाद में उसकी मौत हो गई थी। कालांतर में जब देश पर तालिबान ने कब्जा करना शुरू किया तो वे कमांडर अहमद शाह मसूद के नेतृत्व में संघर्ष में कूद गये। जिन्होंने अहमद शाह मसूद से भारत के बेहतर रिश्ते बनाने में मदद की।

दरअसल, अफगानिस्तान में अमेरिकी दखल के बाद जब तालिबान के खिलाफ मुहिम शुरू हुई तो सालेह इस दौरान खुफिया एजेंसियों के प्रभारी थे। कालांतर वे अफगानिस्तान की खुफिया एजेंसी एनडीएस के प्रमुख भी बने। इस दौरान उन्होंने अफगान सरकार व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को ठोस खुफिया रिपोर्ट उपलब्ध करायी कि पाकिस्तान किस तरह अफगानिस्तान में आतंकी हमलों व तालिबान को मदद पहुंचाने के काम में जुटा है। कैसे विदेशों से मिलने वाला धन तालिबान को उपलब्ध कराया जा रहा है। कालांतर में यदि हामिद करजई की सरकार के दौरान भारत व अफगानिस्तान के रिश्ते बेहतर हुए तो उसके मूल में सालेह की बड़ी भूमिका रही है। वे पहले ही इस बात की घोषणा कर चुके थे कि अमेरिकी–नाटो सेनाओं के हटते ही तालिबान अफगानिस्तान में हावी हो जायेगा। आज जब अमेरिकी सेना के निकलने के बाद सत्ता पर तालिबान का कब्जा हुआ है तो सालेह के निष्कर्षों के अनुरूप ही है। हालांकि, एक दशक पहले उनकी जमीनी हकीकत की रिपोर्ट के निष्कर्षों को अफगानिस्तान के सत्ताधीश भी स्वीकार नहीं कर रहे थे। यहां तक कि ओसामा बिन लादेन के पाक के आवासीय इलाके में रहने की सूचना अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों को देने वाले सालेह ही थे। पाकिस्तान के मुखर विरोधी व तालिबान से लगातार लोहा लेने वाले सालेह सत्ता पलट के बाद विरोधियों के निशाने पर थे, लेकिन उनकी पकड़ में आने से पहले ही वे अपने अभेद्य किले पंजशीर घाटी सुरक्षित पहुंच गये। इससे पहले आईएसआई, तालिबानियों व पाक के निशाने पर रहने वाले सालेह पर कई जानलेवा हमले हो चुके हैं। बेहद दबंग माने जाने वाले सालेह कुछ मौकों पर जनरल मुशर्रफ व आईएसआई प्रमुख से भिड़ंत कर चुके हैं, जिससे उनकी बौखलाहट बार–बार सामने आई। आज सालेह अफगानिस्तान के राष्ट्रभक्त नागरिकों से तालिबान के खिलाफ नॉर्दन अलायंस की तर्ज पर मुहिम चलाने का आह्वान कर रहे हैं। वे अमेरिका व नाटो देशों को भी आड़े लेते हुए कह रहे हैं कि अफगानिस्तान वियतनाम नहीं है। बहरहाल, पंजशीर घाटी एक ऐसा अभेद्य किला है कि जहां के भूल–भुलैया का समझने में विफल तालिबानी वहां जाने से कतराते हैं। यह इलाका सालेह को सुरक्षा कवच देता है। यहां तक कि पिछले चालीस सालों में सोवियत सेनाएं, तालिबान व अमेरिकी सेनाएं कभी जमीनी कार्रवाई न कर सकी हैं। सालेह कह रहे हैं वे उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं पर खरे उतरेंगे, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया है। कहा जा रहा है कि वे अपने कमांडर अहमद शाह मसूद की विरासत संभाल सकते हैं।

यह क्षण चाहे पास है या दूर, यह राष्ट्र पुनर्निर्माण की पुनीत कार्ययोजना में विपक्षी नेताओं के निरूस्वार्थ और अडिग यत्नों पर निर्भर करेगा। हम जानते हैं कि यह काम स्वतंत्रता की रक्षार्थ होगा ताकि राष्ट्र की दमित आत्मा को अभिव्यक्ति मिल पाए। जो अभी भी पसोपेश में हैं उनके लिए फिर से कवि की सवाल उठाती पंक्तियां हैं – तकाजा है मौजूं का, तूफान से सीखो/ कब तक चलोगे किनारे–किनारे...

नैतिक मूल्य केंद्रित राजनीति का लक्ष्य

अश्विनी कुमार

हाल ही में 19 विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं के बीच बना संवाद देश की राजनीति में नैतिकता केंद्रित राजनीति फिर से बहाल करने वाले प्रयासों का प्रतिनिधित्व करता है। ऑनलाइन हुई वार्ता के अंत में पारित हुए प्रस्ताव के मुताबिक रू शविपक्षी दल देश में धर्मनिरपेक्षता, लोकतांत्रिक एवं जनतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा को पूरी ताकत लगा देंगे।य विचारों का यह मिलन वोट की राजनीति वाले समीकरण और राष्ट्र के मौजूदा मिजाज से प्रेरित है, जिसे लोकतंत्र को संबल देने और प्रतिबद्धतापूर्ण संवैध ानिक मूल्यों को जीवंत बनाए रखने के प्रयोजन से राजनीतिक दलों में बृहद एकता बनाने की दरकार है।

मौजूदा सरकार का समाज में फूट डालने वाला एजेंडा संविधान की प्रस्तावना से उलट है, जिससे साझी नियति में बराबर के हकदार माने गए नागरिकों के आपसी भाईचारे में कमी आने से सामाजिक दायरे में सिकुडन हुई है। पाल–पोस कर बड़ी की गई सहिष्णु सहअस्तित्व की संस्कृति में हुआ क्षरण हमारे लोकतंत्र के लचीलेपन पर सवाल उठाता है। केवल बहुसंख्यक समुदाय के वोटों को ध्यान में रखकर संविधान में दी गई गारंटियों की व्याख्या करना संविधानवाद के मूल सिद्धांतों को नकारना है।

निरंतर दमन और विपक्ष को चुप कराने सहित, सोची–समझी रणनीति से सिविल सोसायटी संगठनों को डराकर, लोकतांत्रिक संस्थानों की अनदेखी करके हमारे राष्ट्रीय घोषणापत्र में दिए उदारवाद के वादों पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। संवैधानिक शुचिता, जिसे जनता की तहकीकात करने की शक्ति और मूल स्वतंत्रता के विस्तार के संदर्भ में समझना होगा, उसके प्रति दर्पपूर्ण हिकारत भरा रवैया रखना एक संवेदनशील लोकतंत्र बनाने के वादे को झुठलाता है। उलटा, हमें लोकतंत्र की व्याख्या ऐसी भाषा में प्रस्तुत की जा रही है, जिसमें गणतांत्रिक मूल्यों के व्याकरण का कॉमा–पूर्ण विराम तक नहीं है।

श्नाराजगी व्यक्त करने का हक्च जो किसी सुचारु लोकतंत्र का अहम अवयव होता है, उसे स्वयंभू चौकसी दलों और सरकारी सशस्त्र बलों का इस्तेमाल कर ध वस्त करके दफन कर दिया गया है। अन्यायपूर्ण कृषि कानूनों पर सवाल उठाने वाले आंदोलनकारी किसानों और प्रश्न पूछने की जुर्रत करने वाले अन्य बेगुनाह नागरिकों पर ठोके गए राजद्रोह के मुकद्दमे, राजनीतिक विरोधियों और असहमति व्यक्त करने को आतंकियों के लिए बनाए गए कठोर राष्ट्रीय कानूनों का इस्तेमाल करते हुए बिना जमानत जेल में डालने जैसे कृत्यों ने कई कानूनों की वैधता को ही खत्म कर डाला है। प्रशासन की ज्यादतियों पर अंकुश लगाने को संसद की निष्क्रियता ने उसके द्वारा कार्यपालिका की नैतिकता बनाए रखने के दावे का अधिकार खो दिया है।

लोकतंत्र की यात्रा, जिसकी जड़ में सामाजिक न्याय और मानव गरिमा कायम रखना है, को अवरुद्ध किया जा रहा है। एक मुक्त राष्ट्र, जिसने कभी नरम शक्ति के आधार पर शविश्व गुरुच बनने की आकांक्षा रखी थी, वर्ष 2014 के बाद एक श्चुनी हुई अधिनायकवादी सत्ताच का ठप्पा लगवाने को अभिशापित है (स्वीडन आध ारित वी–डेम संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक)। मानव स्वतंत्रता सूचकांक–2020 में भारत 162 देशों में 111वें स्थान पर है, विश्व प्रेस आजादी सूचकांक में 180 देशों में हम 142वें पायदान पर हैं। वे लोग जो छद्म राष्ट्रवादी जुमलेबाजी की आड़ लेकर स्वतंत्र नामी–गिरामी अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की पड़ताल को झुठलाना चाहते हैं, उन्हें वास्तविकता जानने को केवल अपने आसपास नजर डालने की जरूरत है। विभिन्न तरीकों से नागरिकों की निजता पर हमला हो रहा है, इसमें पेगासस जासूसी सॉफ्टवेयर शामिल है, असहज लगने वाले लोगों की निगरानी करना आम हो गया है, यह सब सरकार के संवैधानिक शुचिता के प्रति अपनाए रवैए का एक संकेत मात्र है।

बढ़ती बेरोजगारी और गरीबी के बोझ तले जनता का अधिकांश हिस्सा दब चुका है। पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के अध्ययन के मुताबिक देश में गरीबों की संख्या में लगभग 7.5 करोड़ का इजाफा हुआ है, अकेले वर्ष 2020 में मध्य वर्ग की संख्या में 3.2 करोड़ की कमी हुई है। गरीब, जिनकी रूहें जख्मी हुई पड़ी हैं और आजादी पर बेडियां डल गई हैं, इन शब्दों में अपनी व्यथा व्यक्त करने को पहले से ज्यादा हकदार हैं रू–

अटका कहां स्वराज?ध बोल दिल्ली!ध तू अब क्या कहती हैध तू रानी बन गई,ध वेदना जनता क्यूं सहती है?

यह साझा प्रयास स्वतंत्रता में रुकावट डालने और शक्ति केंद्रों का जनता के दुख–दर्द के प्रति असंवेदनशील बनने पर तंज कस रहा है। साथ ही मुखर शब्द मौजूदा संकटग्रस्त काल की बानगी दिखाते हैं। नागरिक स्वतंत्रता के संकट का व्यापक बोध और परिणामस्वरूप उपजी वेदना को जावेद अख्तर ने अपनी झकझोरने वाली पंक्तियों में व्यक्त किया है –

शकिसी का हुक्म हैध दरिया की लहरें,ध जरा यह सरकशी कम कर लेंध अपनी हद में ठहरें,ध उभरना फिर बिखरनाध और बिखरकर फिर उभरना,ध गलत है यह उनका हंगामा करना,

किसी को यह कोई कैसे बताए,/ हवाएं और लहरेंध कब किसी का हुक्म सुनती हैं,/ हवाएं हाकिमों की मुक्रियों में,/ हथकडियों में, कैदखानों में नहीं रुकतीं,

ये लहरें रोकी जाती हैं,ध तो दरिया कितना भी पुरसुकून हो,ध बेताब होता है, और इस बेताबी काध अगला कदम सैलाब होता है।य

स्वतंत्रता और लोकतंत्र पर हो रहे सतत आघात से बनी बेचैनी के संदर्भ में विपक्षी दलों का मेल निरंकुश बनी अधि ानायकवादी ताकत को पीछे धकेलने के लिए संयुक्त जिम्मेवारी का अहसास जाग्रत कराने का स्वागतयोग्य ऐलान है। आजादी, समता और न्याय जो हमारे प्रिय लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं, उन्हें बरकरार रखने के लिए आगे लंबी और कठिन डगर है और यह संग्राम का नेतृत्व करने वालों के लिए इम्तिहान होगा।

स्पष्ट है कि कांग्रेस अध्यक्ष की पहल को राजनीति की उन प्रक्रियाओं और रीतियों के सहयोग की जरूरत है, जिससे विपक्ष में अपनी हैसियत जानने हेतु आशा और विश्वास की प्रेरणा जगे। यह भी साफ है कि जो स्वतंत्रता के हामी हैं, वे इतिहास में सही पाले में गिने जाएंगे और जो यह सोचकर ऊहापोह में बने रहेंगे कि विपक्ष आपसी होड़बाजी की बाध्यताओं के कारण नेतृत्व देने में असमर्थ है, उन्हें इतिहास से सीखना चाहिए कि समय आने पर श्ताज सदा सही सिर चुनने की राह निकाल लेता हैच।

यह क्षण चाहे पास है या दूर, यह राष्ट्र पुनर्निर्माण की पुनीत कार्ययोजना में विपक्षी नेताओं के निरूस्वार्थ और अडिग यत्नों पर निर्भर करेगा। हम जानते हैं कि यह काम स्वतंत्रता की रक्षार्थ होगा ताकि राष्ट्र की दमित आत्मा को अभिव्यक्ति मिल पाए। जो अभी भी पसोपेश में हैं उनके लिए फिर से कवि की सवाल उठाती पंक्तियां हैं – तकाजा है मौजूं का, तूफान से सीखो,ध कब तक चलोगे किनारे–किनारे।

बानगंगा नदी का रिंग बांध के ऊपर से बह रहा पानी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थ नगर।बानगंगा नदी के किनारे बसे

ग्राम गजहड़ा के दक्षिण–पश्चिम छोर पर बानगंगा नदी का रिंग बांध के ऊपर से रविवार को गांव के किनारे बाढ़ का पानी जाने लगा।इसको रोकने के लिए ग्रामीण अपने स्तर से प्रयास कर रहे है। पिछले कई दिनों से रुक रुक कर बरसात होने के कारण बानगंगा नदी मे बाढ़ आने से ग्रामीण दहशत में है।ग्रामीणों के अनुसार बरसात फिर हुई तो गांव तबाह होने से कोई नहीं बचा पाएगा। बतातें चलें कि पूर्व में आई बाढ़ के दौरान कई मकान ढह गया था। लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर गांव के पूरब जाकर गुजर–बसर कर रहे है । इस सम्बंध मे गजहड़ा गांव के प्रधान प्रतिनिधि यार मोहम्मद ने बताया कि बाध के ऊपर से बानगंगा नदी के बाढ़ का पानी गांव के किनारे आ गया है अभी गांव को कोई खतरा नहीं है।

बाढ़ पीड़ितों के साथ है जिला प्रशासन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थ नगर। बाढ़ पीड़ितों के साथ है जिला प्रशासन,किसी भी समस्या का

समय से निदान किया जा रहा है।विधायक श्याम धनी राही एवं तहसीलदार सदर राम ऋषि रमन ने आज डुमरिया खुर्द, रीवानानकार,हथिवडताल एवं खजूरडाढ़ में आज बाढ़ राहत सामाग्री वितरित करते हुए कही।इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि श्री सर्वजीत, प्रधान प्रतिनिधि सुभाष, लेखपाल सचिन्द्र श्रीवास्तव, शशांक शौरभ,अखिलेश,अमित कुमार,आशुतोष द्वारा मैरुण्ड ग्राम मे राशन वितरण किया गया।

प्रशासन जल्द से जल्द रेस्क्यू टीम लगाकर डूबे व्यक्ति को बरामद कराए': गुड्डू खान।

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नौतनवा। नौतनवा नगर के वार्ड नंबर 2 विस्मिल नगर

निवासी शिव प्रसाद पुत्र राम गुलाम उम्र 50 वर्षीय के आज डिहवा के पश्चिम डंडा नदी के सुंडी घाट में गिरने से तेज बहाव में बह जाने की सूचना पर नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष 'गुड्डू खान' ने घटना स्थल पहुच कर डूबे व्यक्ति के बारे में जानकारी लिया और घटना स्थल से ही उच्चाधिकारियों को सूचना देकर जल्द से जल्द बरामदगी का अनुरोध किया।इसके अलावा 'श्री खान' ने इण्डेन गैस एजेंसी के पीछे स्थित पुलिया पर भी पहुचकर डूबे व्यक्ति के बारे में सूचना एकत्रित किया और पुलिया की टूटी रेलिंग को देख आमजन से इस पुलिया से दूरी बनाने का आग्रह किया।पालिका अध्यक्ष' इस ह्रदय विदारक घटना से प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराते हुए कहा कि ष्घटना की ताजा स्थिति से प्रशासन को अवगत करा दिया गया हैं और रेस्क्यू टीम और गोताखोरों को लगाकर डूबे व्यक्ति के शरीर की बरामदगी का अनुरोध किया गया हैं। चन्दन चौधरी,सद्दाम हुसैन, गुड़डू अन्सारी, रामबृक्ष प्रसाद, रामबचन,मुकेश कुमार,ओम प्रकाश, परमेश्वर यादव, रमेश चन्द्र, गोपाल शर्मा,खुर्शेद आलम आदि लोग उपस्थित रहे।

अधेड़ ने लगाई पुल से छलांग ढूंढने में जुटी प्रशासन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महाराजगंज। नौतनवा तहसील क्षेत्र में स्थित भुन्डी डिहवा पुल पर लगभग 10रू30 बजे नौतनवा की तरफ से एक अधेड़ व्यक्ति साइकिल से पुल पर पहुंच साइकिल खड़ी कर पूल से छलांग लगा दिया देखते देखते नदी की तेज धार में वह बह गया ग्रामीणों ने इसकी सूचना एसएसबी और पुलिस को दी खबर लिखे जाने तक मौके पर पहुंचे पुलिस व एसएसबी की जवानों ने काफी ढूंढने का प्रयास किया लेकिन तेज धार की वजह से कुछ पता नहीं चल सका वही भीड़ में पहुंचे एक युवक सूरज कुमार के अनुसार छलांग लगाने वाला व्यक्ति उसका पिता है जिसका नाम शिवप्रसाद पुत्र रामगुलाम उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी भुन्डी वार्ड नंबर 2 बिस्मिल नगर नौतनवा है अधेड़ के पुल से छलांग लगाने का कारण अभी पता नहीं चल सका है वहीं इस घटना की जानकारी मिलते ही प्रधान प्रतिनिधि मक्खन लाल मौर्य सहित भारी संख्या में ग्रामीण इकट्ठे हो गए ग्रामीणों में घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चा है।

पानी में डूबने से बच्चे की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। विधानसभा हाटा क्षेत्रान्तर्गत ग्रामसभा घोरटप भिसवा के निवासी डा. विरेन्द्र चौहान जी के दो साल के बच्चे की पानी में डूबने से मौत हो गयी। इस घटना से गांव मे कोहराम मच गया। परिवार के साथ गांव के भी लोगों का रो रो कर बुरा हाल था। विरेन्द्र चौहान के तीन बच्चीयों के बाद बेटा हुआ था। इस दुखद घटना की सूचना पाकर स्थानीय विधायक पवन केडिया ने मौके पर पहुचकर दुखित परिवार को ढ़ाढ़स बढ़ाया व हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया। इस मौके पर भोलानाथ चौहान, टुनटुन राव, अरुण पांडेय, मुन्शी सिंह, सुबास सिंह, रजनीश बर्नवाल, सुधाकर पांडेय, हरिन्द्र राव, दिपक सिंह, मुन्ना शुक्ला,मण्डल महामंत्री भोरिक चौहन,मण्डल उपाध्यक्ष आद्या गौड़, इत्यादि मौजूद रहे।

प्रदेश उपाध्यक्ष एके शर्मा का भाजपाइयों ने किया भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। जनपद

कुशीनगर में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एके शर्मा के प्रथम आगमन पर भाजपाइयों ने शनिवार देर शाम को किया भव्य स्वागत। बताते चलें कि प्रधानमंत्री के करीबी व पूर्व आईएएस भाजपा एमएलसी अरविंद कुमार शर्मा बीते दिनों में यूपी राजनीति में चर्चा का केंद्र रहे, प्रधानमंत्री के खास रहे एमएलसी अरविंद कुमार शर्मा को प्रदेश का उपाध्यक्ष बनाया गया है। शर्मा को संगठन और सरकार में जगह देने के लिए पिछले कुछ समय से अटकलों का बाजार गर्म था। मऊ निवासी अरविंद कुमार शर्मा गुजरात कैडर के आईएएस अफसर रहे हैं। उन्होंने अपनी सेवा के दो वर्ष बाकी रहने से पहले ही स्वैछिक सेवानिवृति ली,और सक्रिय राजनीति में उतरने के साथ भाजपा में शामिल हो गए।अरविंद कुमार शर्मा को भाजपा ने उत्तर प्रदेश में विधान परिषद सदस्य बनाया है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने के बाद पूर्वांचल के जनपद कुशीनगर में प्रथम आगमन पर भाजपाइयों ने जनपद के सीमा रामपुर में भव्य स्वागत किया ।इस दौरान भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश शाही ,युवा नेता ऋषि त्रिपाठी, क्षेत्रीय महामंत्री किसान मोर्चा पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीभागवत चौहान, ध्रुवचन्द जायसवाल, रमेश जायसवाल, वरुण जायसवाल,सुबास पाण्डेय, मण्डल मंत्री गुड्डू प्रजापति,हियुवा. तहसील उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, मुन्ना पाण्डेय, सनोज विश्वकर्मा, राममिलन यादव,विद्यापति यादव,रूदल चौहान, चेतन यादव आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय पगरा का कार्य अधूरा भुगतान हुआ पूरा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। कुशीनगर जिले के हाटा तहसील के विकास खण्ड सुकरौली क्षेत्रान्तर्गत ग्रामसभा पगरा मे प्राथमिक विद्यालय के चहारदीवारी निर्माण कार्य विकासखंड प्रशासन के देखरेख में किया जा रहा है।जो अभी तक पूरा नही हुआ है। इतना ही नहीं विद्यालय परिसर में इंटरलॉकिंग खड़ंजा का निर्माण कराया जाना भी कार्य योजना में सम्मिलित है।विद्यालय परिसर में इंटरलॉकिंग खड़ंजा बाउंड्री वाल एवं बाउंड्री प्लास्टर करने के बाद विद्यालय प्रांगण के मुख्य प्रवेश द्वार पर गेट लगवाना भी संबंधित विद्यालय के कार्यों में सम्मिलित है।जिसे अभी तक पूरा नहीं किया जा सका। विकासखंड प्रशासन की देखरेख में ग्राम सभा पगरा के प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में इंटरलॉकिंग खड़ंजा चहारदीवार निर्माण कार्य एवम प्रवेश द्वार के मुख्य गेट के बिना निर्माण किये भुगतान कर दिया गया है जबकि 1सितम्बर से विद्यालय खोलने का शासनादेश जारी हुआ है। विद्यालय परिसर में बरसात का पानी और कीचड़ जमा हो गया है।ऐसे मे बच्चों की पढ़ाई कैसे होगी। इस सम्बन्ध मे विकासखंड के एडीओ पंचायत से सम्पर्क किया गया तो उन्होने बताया की बरसात बाद अधूरे पड़े सभी कार्यों को पूरा कराया जाएगा।

विद्या भारती के विद्यालयों में मेजर ध्यानचन्द जयन्ती पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। मेजर ध्यानचन्द जयन्ती की पूर्व संध्या पर विद्या भारती से सम्बद्ध विद्यालयों में शनिवार को खेलकूद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथियों ने मेजर ध्यानचन्द के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज गंगापुरी रसूलाबाद में मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज के एथलेटिक कोच सत्येन्द्र सिंह एवं विद्यालय के व्यवस्था प्रमुख आचार्य संजीव चतुर्वेदी व शारीरिक प्रमुख विनोद कुमार यादव एवं शिवकुमार सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीपार्चन एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि ध्यानचन्द को फुटबाल में पेले और क्रिकेट में ब्रैडमैन के समतुल्य माना जाता है। गेंद इस कदर उनकी स्टिक से चिपकी रहती कि प्रतिद्वंदी खिलाड़ी को अक्सर आशंका होती किवह जादुई स्टिक से खेल रहे हैं। मेजर ध्यानचन्द को तेजी से गोल करने और तीन बार ओलम्पिक में गोल्ड मेडल लाने के लिए जाना जाता है। प्रतियोगिता में विद्यालय में कबड्डी एवं खो–खो खेल का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में अभिषेक, दिव्यांशु, मोहित, विवेक, शिवकुमार यादव, नितिन, सालिम, यश मिश्र आदि ने प्रतिभाग किया। आभार ज्ञापन विद्यालय के खेलकूद प्रमुख आचार्य विनोद कुमार यादव तथा कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के आचार्य सरोज सिंह ने किया।

इसी प्रकार ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित विद्या भारती के सहमंत्री चिन्तामणि सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एकबाल नारायण ने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर दीपार्चन व पुष्पार्चन करते हुये उन्हें नमन किया। विद्यालय में शारीरिक के आचार्य विजय मौर्य ने मेजर ध्यानचन्द के जीवन पर वृहद पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मेजर ध्यानचंद का जन्मदिन सम्पूर्ण राष्ट्र खेल दिवस के रूप में मनाता हैं। उनके द्वारा खेल जगत में उस काल खण्ड में जो कीर्तिमान स्थापित किये गये वो हम सब को गौरवान्वित करते है। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद की जयन्ती मनाने का वास्तविक अर्थ की सिद्धि तभी होगी जब हम उनके गुणों को अपने अन्दर समाहित करें तथा अपने राष्ट्र का नाम खेल जगत में उन्नति के शिखर पर ले जाएं। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में मेजर ध्यानचन्द के योगदानों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने इस वर्ष सराहनीय पहल करते हुए खेल के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार उनके नाम पर कर दिया है।

इस अवसर पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता तीन वर्गों बाल वर्ग, किशोर वर्ग एवं तरुण वर्ग के मध्य आयोजित की गई थी। समस्त प्रतियोगिताएं शारीरिक आचार्य विजय मौर्य, अजीत सिंह के देखरेख में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार सहित दीपक यादव, पवन दीक्षित, सरोज दुबे, सन्दीप गुप्ता, अरिमर्दन सिंह, दिनेश तिवारी, विनोद मिश्र सहित विद्यालय के समस्त आचार्य बन्धु उपस्थित रहे।

कुसुम ने अपनी माँ की सुरक्षा का पुलिस से लगाई गुहार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर।गोला थाना क्षेत्र की कुसुम देवी ने थाने में तहरी दे कर अपनी माँ के जान माल की सुरक्षा के लिए गुहार लगाई है। इनका आरोप है कि कहीं ए लोग माँ के साथ कोई अन होनी ना कर दें। पार्थिनी कुसुम देवी निवासी गाजेगढ़ा का मायका लेडूआबारी है। इन्होंने तहरीर में लिखा है कि हमारी माता जी को हमारे भाई और भतिजा ने मिल कर इन्हें मृत घोषित कर सारी सम्पत्ति अपने नाम करा ली और घर से निकाल दिया। हमरी माँ विगत दो वर्ष से हमारे पास गाजेगढ़ा रहती थी हमने कीसी तरह उसका नाम सम्पत्ति मे चढ़वा दिया। जिसपर आज दिन में करीब दो बजे हमारे भतिजा शैलष भाभी कोशिल्याऔर अंजनी आदि आकर हमे मारे पिटे और जबरिया गाड़ी में बैठा कर ले कर चले गए। हमें आ शंका है कि कहीं हमारी माँ के साथ कोई अन होनी ना हो जाए। माँ जी के साथ रहना चाहती है रहे। समाचार लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज नहीं था.

ग्रा प ए गोला का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला गोरखपुर। खेल दिवस के अवसर पर गोरखपुर के दक्षिणांचल में मां सरयू नदी के तट पर स्थित तहसील गोला में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का वार्षिक अधिवेशन कराया गया।कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र यादव ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी गोला राजेंद्र बहादुर ने सभी पत्रकारों को निष्ठा और ईमानदारी से काम करने की सलाह दी तथा संगठन द्वारा कार्यालय के लिए जमीन उपलब्ध कराने के संबंध में उन्होंने कहा कि प्रशासन इस बात पर विचार कर रहा है और जल्द ही कुछ निर्णय लिया जाएगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता विपिन शाही ने की तथा आयोजन तहसील अध्यक्ष ब्रिजनाथ तिवारी ने किया।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि तहसीलदार गोला केशव प्रसाद, कैप्टन विरेन्द्र सिंह मण्डल अध्यक्ष जयप्रकाश गोविंद राव व मण्डल उपाध्यक्ष नागेंद्र शर्मा,शशिमौलि त्रिपाठी, भाजपा नेता शत्रुघ्न कसौधन व सैकड़ों की संख्या में पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

पुलिस इंस्पेक्टर के खिलाफ चल रही विभागीय कार्यवाही पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा के थाना सेक्टर 20 गौतमबुद्ध नगर में तैनात रहे इंचार्ज पुलिस इन्सपेक्टर मनोज पंत के खिलाफ चल रही विभागीय कार्यवाही पर अग्रिम आदेश तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस मामले में पुलिस अधिकारियों से चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। याची वर्तमान में जनपद महराजगंज में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत है। नोएडा में भ्रष्टाचार के मामले में इसके खिलाफ चल रहे केस के आधार पर चार्ज शीट देकर अधिकारियों ने विभागीय कार्यवाही शुरू कर दिया है। 19 सितम्बर 2019 के आदेश से याची के खिलाफ उत्तर प्रदेश अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड एवं अपील नियमावली 1991) के नियम 14(1) के तहत कार्रवाई करते हुए याची को आरोप पत्र दिया गया है। आरोप लगाया गया है कि इन्होंने अभियुक्तों को लाभ पहुंचाने के लिए दो लाख रिश्वत लिया। रिश्वत के साथ ही उन्हें गिरफ्तार किया गया था। याची के वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम व सहयोगी अधिवक्ता अतिप्रिया गौतम का तर्क था कि याची के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही पूर्व में दर्ज प्राथमिकी को आधार बनाकर की जा रही है। पूर्व में दाखिल आरोप पत्र को विभागीय कार्यवाही में चार्जशीट देकर कार्यवाही की जा रही है, जो सुप्रीम कोर्ट के कैप्टन एम पाल एन्थोनी व पुलिस रेगुलेशन के पैरा 492 व 493 के खिलाफ है। वकीलों की बहस थी कि यह प्रतिपादित सिद्धांत है कि जब आपराधिक व विभागीय कार्यवाही एक ही आरोपों को लेकर चल रही है तो विभागीय कार्यवाही आपराधिक केस के निस्तारण तक स्थगित रखी जाय। जस्टिस पंकज भाटिया ने उक्त आदेश पुलिस इन्सपेक्टर मनोज पंत की याचिका पर दिया है। मामले के अनुसार 30 जनवरी 2019 को याची व तीन अन्य मीडिया कर्मी को भ्रष्टाचार के मामले में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया था। तत्कालीन एसपी गौतमबुद्ध नगर ने याची को सस्पेंड कर दिया था। जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद याची ने निलम्बन को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। निलम्बन को विधि विरुद्ध मानते हुए हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। याची का नोएडा से गोरखपुर जोन तबादला कर दिया गया। फिर वहां से संतकबीर नगर और अब वर्तमान में वह महाराजगंज में बतौर पुलिस इन्सपेक्टर कार्यरत है।

उत्तर मध्य रेलवे में प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

प्रयागराज। राजभाषा हिंदी के प्रयोग–प्रसार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रचनात्मक सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से उत्तर मध्य रेलवे महाप्रबंधक प्रमोद कुमार के निर्देशानुसार और मुख्य राजभाषा अधिकारी अजय माथुर के मार्गदर्शन में राजभाषा विभाग द्वारा क्षेत्रीय रेल स्तर पर हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन एवं हिंदी निबंध तथा वाक् प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में महाप्रबंधक कार्यालय सहित सभी मंडलों और कारखानों में कार्यरत कर्मचारियों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। श्पर्यावरण संरक्षण में भारतीय रेल की भूमिकाश विषय पर आयोजित हिंदी वाक् प्रतियोगिता में महाप्रबंधक कार्यालय के प्रतिभागी उपस्थित थे। साथ ही सभी मंडलों और कारखानों में कार्यरत प्रतिभागी कर्मचारियों ने प्रतियोगिता में ऑनलाइन सहभागिता की। प्रतिभागी कर्मचारियों ने पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए भारतीय रेल द्वारा कार्यालय एवं रेल परिसर,परिचालन तथा कर्षण के क्षेत्रों के साथ–साथ भारत सरकार की पर्यावरण नीति के अनुसार उठाए गए महत्वपूर्ण और दूरगामी कदमों पर विशद प्रकाश डाला। इस अवसर पर निर्णायक के रूप में उपस्थित उप मुख्य सामग्री प्रबंधक विद्युत सर्वेश चन्द्र द्विवेदी ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि पर्यावरण के क्षेत्र में हमें सदैव ही रिड्यूस, रियूज एवं रिसाइकिल के उक्ति का एक सिद्धांत के रूप में पालन करना चाहिए और कागज के प्रयोग की जगह पेपरलेस डिजिटल कार्यप्रणाली को अपनाना होगा। कार्यक्रम में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता के दूसरे निर्णायक उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी बजट शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि प्रति किलोमीटर टन ऊर्जा की खपत की दृष्टि से भारतीय रेल की परिवहन प्रणाली सर्वाधिक ऊर्जा कुशल प्रणाली है। श्री सिंह ने कहा कि वाक् प्रतियोगिता में तथ्यों के साथ–साथ तर्क–वितर्क, विचार और अभिव्यक्ति शैली भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। दोनों निणछयकों ने वर्तमान महामारी जैसी विपरीत कार्य परिस्थिति में भी इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक एवं ऑनलाइन माध्यम से भाग लेने के लिए प्रतिभागी कर्मचारियों की सराहना की। इस प्रतियोगिता में वरिष्ठ सहायक लोको पायलट कर्ण पाठक राहुल को प्रथम स्थान, वाणिज्य निरीक्षक मुख्यालय श्रीकृष्ण शुक्ला को द्वितीय स्थान तथा वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर झांसी कारखाना सुदेश राव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त राहुल शर्मा, तकनीशियन, झांसी, पी.के. ओझा, निरीक्षक रेल सुरक्षा बल, कानपुर एवं मो. आजाद अली, हेल्पर, सिथौली कारखाना को प्रेरणा पुरस्कार के लिए पात्र घोषित किया गया। उक्त प्रतियोगिता के पहले श्कोरोना काल में शिक्षा की चुनौतियाँश विषय पर निबंध प्रतियोगिता तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

खिलाड़ी घेरा का किया गया आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर। हाकी के जादूगर स्वर्गीय मेजर ध्यान चंद जी के जन्म दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय अखिलेश यादव के निर्देश पर चिल्लू पार विधानसभा के ग्राम मोहाल जलकर माता स्थान पर खिलाड़ियों, धावको व नौजवान साथियों के बीच में समाजवादी पार्टी 328 विधानसभा चिल्लू पार के वरिष्ठ नेता मनीष पांडे के नेतृत्व में खिलाड़ी खेरा का आयोजन कर खिलाड़ियों के प्रति सरकार के सौतेला पन रवैया को बताया गया। सरकार खिलाड़ियों के प्रति गंभीर नहीं है खिलाड़ियों को कोई भी सुविधा प्रदान नहीं की जा रही है उपस्थित सभी खिलाड़ियों ने 2022 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया इस अवसर अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित प्रभाकर ओझा, धर्मेंद्र यादव, शैलेश यादव, अनुज तिवारी , आर्यन मिश्रा , अंकुर पांडे , चंचल पांडे, उपेंद्र निषाद, हसमत खान सहित अनेक भारी संख्या में खिलाड़ी और नौजवान उपस्थित रहे.

प्रदेश उपाध्यक्ष का बस्ती में जोरदार स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष ध् विधान

परिषद सदस्य अरविंद कुमार शर्मा का बस्ती जनपद की सीमा घघौवा से स्वागत का सिलसिला जारी का रहा छावनी के राजा जालिम सिहं तिराहे पर भाजपा नेता पंडित कैलाशनाथ शर्मा के अगुवाई में कार्यकर्ता शिवकुमार भट्ट, देव कुमार शर्मा, अनुराग ,लवकुश ,रविन्द्र नाथ शर्मा आदि ने फूल मालाओ से स्वागत किया अरविंद शर्मा ने बताया भाजपा सरकार में सबका साथ सबका विकास पर काम हो रहा है। 2022 मे पुनः मुख्यमंत्री योगी जी ही बनेंगे

सपा ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष विजय यादव ने बताया कि मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर उनको समर्पित राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी जनपद सोनभद्र के रावटसगंज में सपा जिला अध्यक्ष विजय यादव के नेतृत्व में चुर्क के जीआईसी मैदान में कार्यक्रम किया गया, ओबरा में जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह यादव के नेतृत्व में ओबरा स्टेडियम में और दुद्धी में विधानसभा अध्यक्ष जुबेर आलम के नेतृत्व में दुद्धी स्टेडियम में खिलाड़ी घेरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। खिलाड़ी गिरा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि जब से देश एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से खिलाड़ियों के साथ अन्याय किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर खिलाड़ियों की प्रतिभा के साथ भाजपा सरकार पूरी तरह से खिलवाड़ कर रही है स खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता व पक्षपात किया जा रहा है स खिलाड़ियों के खेल व अभ्यास उपकरणों की कमी खिलाड़ियों को संतुलित

आहार की कमी मानसिक दबाव मनोविज्ञान प्रोत्साहन की कमी, खिलाड़ियों के मानदेय में भेदभाव , सामाजिक सुरक्षा की उपेक्षा व स्वास्थ्य बीमा में धांधली। खिलाड़ियों के साथ लैंगिक भेदभाव वह अनुचित व्यवहार भाजपा सरकार में किया जा रहा है। भाजपा सरकार में खिलाड़ियों पर प्रशासन स्थानीय क्षेत्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता की भाजपा सरकार में भारी पैमाने पर अनियमितता की जा रही है । खिलाड़ी घेरा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहम्मद शईद कुरेशी ने कहा कि भाजपा सरकार में स्थानीय स्तर पर स्टेडियम की कमी व रखरखाव की समस्याएं हैं स खिलाड़ियों पर प्रबंध का दबाव, खिलाड़ियों के आवागमन उनके उपकरणों की सुरक्षित परिवहन तथा रहने खाने की व्यवस्था में भारी कमियां है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के कीड़ा प्रांगण में प्रशिक्षकों सुविधाओं की कमी है। लोकप्रिय खेलों के आगे अन्य खेलों की भाजपा सरकार में उपेक्षा की जा रही है। भाजपा सरकार में वेतन की अनियमितता की जा रही है। वृद्ध खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को पेंशन की समस्याएं चरम सीमा पर है। भाजपा सरकार में खिलाड़ियों पर संगठनों का अनुचित दबाव किया जा रहा है।

खिलाड़ियों पर राजनीतिक दबाव और राजनीतिक शोषण, विभिन्न खेल पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया में राजनीतिक किया जा रहा किया जा रहा है। विजेता खिलाड़ियों से अधिक भाजपा सरकार में राजनेताओं के प्रचार की व्यवस्था की गई है और खिलाड़ियों को भाजपा सरकार में कोई व्यवस्था नहीं है। रामप्यारे सिंह पटेल ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी के तो खिलाड़ियों को सारी व्यवस्था थी, लेकिन जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से खिलाड़ियों की सारी योजनाओं को बंद कर दिया गया है। भाजपा सरकार में चारों तरफ लूट मची हुई है। कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी राम निहोर यादव अनिल प्रधान रामप्यारे सिंह पटेल ओम प्रकाश त्रिपाठी सुरेश पटेल त्रिपुरारी गौड़ परमेश्वर यादव सदर ब्लॉक अध्यक्ष अशोक पटेल अनवर कुरेशी बबलू धागर लाल व्रत यादव अंशु श्रीवास्तव संजय सिंह रमेश यादव जितेंद्र यादव रीना राय सुनील यादव लकी श्रीवास्तव नंदलाल जितेंद्र बियार जंग बहादुर पूरी राहुल अंकित राठौर बच्चा लाल जयसवाल रिजवान शाह राजनाथ यादव संतोष यादव सनी सिंह सोनू यादव रोहित चंद्रवंशी आदि लोगों ने संबोधित किया।

अफरोज बादल का आगमन 30 अगस्त को

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पीस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अफरोज बादल व पूर्वांचल प्रदेश अध्यक्ष हाजी डॉक्टर इस्लाम अली के साथ–साथ प्रदेश सचिव अरुण कुमार श्रीवास्तव का आगमन सोनभद्र मुख्यालय पर आगामी 30 अगस्त को दिन के 12रू00 बजे हो रहा है. उक्त आशय की जानकारी पीस पार्टी के जिला अध्यक्ष अतहर कुरैशी ने देते हुए बताया कि सोनभद्र जिला मुख्यालय पर आयोजित सम्मेलन समीक्षा बैठक सूर्या गंगा वाटिका लाज में कार्यक्रम रखा गया है जनपद के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाएं 1रू30 बजे प्रेस वार्ता भी आयोजित किया गया है.

बित्तबिहीन माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र। वित्तविहीन माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक रविवार को मोती सिंह इंटर कॉलेज धौरहरा कर्मा में जिलाध्यक्ष डॉक्टर के पी मौर्या की अध्यक्षता में हुई। जिसमें कर्मा ब्लॉक का गठन किया गया जिसमे राजेश पाल को ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उसके बाद 4 सितंबर को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करने की रूपरेखा तैयार की गई । 5 सितंबर को भदोही जिले में शिक्षक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह के आयोजन में प्रतिभाग करने केप लिए एकजुटता दिखाने का आह्वान किया गया। बैठक मेशिक्षकों के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार पर नाराजगी ब्यक्तकी गई। उक्त अवसर पर प्रबोध कुमार सिंह, सतीश कुमार सिंह, श्याम बिहारी यादव, ब्रहमानंद तिवारी, ओम प्रकाश सिंह, सुरेश सिंह, बी, एन, यादव, वीरेंद्र यादव, हरिदास खत्री, सुर्यबली, गंगाराम, सुमित कुमार, अमर नाथ, कमलेश, साधना तिवारी, समेत दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

शक्ति केंद्र के केकराही के बूथ संख्या 273 परसौना बूथ का हुआ सत्यापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। करमा भाजपा मंडल के शक्ति केन्द्र केकराही के बूथ संख्या273 परसौना, बूथ संख्या 283 केकराही का सत्यापन अधिकारी मंडल प्रभारी दयाशंकर पांडेय, मंडल मंत्री ओमकार तिवारी,जिला कार्यसमिति सदस्य राजेश कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया।इस दौरान बूथ अध्यक्ष अरविंद मौर्य परसौना,बूथ अध्यक्ष राजकुमार केकराही,संयोजक प्रभु नारायण मिश्रा, अशोक मौर्य, रामप्यारे मौर्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।बूथ पर पन्ना प्रमुख मोटर साइकिल के कार्यकर्ताओं, स्मार्ट फोन कार्यकर्ता बूथ स्तर पर कार्यक्रम करने के लिए बनाये गये हैं।दयाशंकर पांडेय प्रभारी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि आप सभी बूथ स्तर पर सजग प्रहरी हैं।और चुनाव की लड़ाई भी बूथ स्तर पर लड़ी जाती है अतः आप सभी एक मजबूत कड़ी में माने जाते हैं।प्रदेश सरकार, व केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को घर घर तक पहुचाये।इस बार भी प्रचण्ड बहुमत से योगी आदित्यनाथ नाथ की सरकार बनने वाली है।राजेश कुमार मिश्रा ने कहा जो काम हमारी सरकार ने कर दिखाया वह कोरा सपने जैसे था।परंतु सपना साकार हुआ।सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के तर्ज पर सरकार काम कर रही है।हम सभी को अभी से निष्ठा पूर्वक पार्टी के कार्यक्रम में कमर कस कर लग जाना है।

डढ़ीहरा के जंगल मे जलावनी लकड़ी लेने गयी महिला को मिला जीवित नवजात शिशु

सूचना पर थानाध्यक्ष ने नवजात को सीएचसी में कराया भर्ती

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना अन्तर्गत रविवार को सुबह लगभग 7 बजे डढ़ीहरा के जंगल मे जलावनी लकड़ी लेने गयी महिला प्रमिला देवी को पुलिया के नीचे एक नवजात शिशु दिखा,नवजात शिशु को देखकर पहले तो वह अचंभित हो गयी फिर किसी तरह नवजात शिशु को लेकर प्रमिला देवी चुपचाप अपने घर आ गयी और उसे दूध पिलाकर उसके जीवन को बचाने का प्रयास किया इसके बाद इसकी सूचना ग्राम प्रधानपति अयोध्या प्रसाद को दिया।प्रधानपति द्वारा प्रमिला देवी के घर जाकर नवजात शिशु मिलने की सूचना तत्काल थाने में दिया गया।सूचना पाते ही मौके पर पंहुचे थाना प्रभारी अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने उक्त नवजात को महिला कांस्टेबल के साथ एम्बुलेंस से म्योरपुर सीएचसी भेजवाया ।सीएचसी पर आने के बाद डॉ दिनेश कुमार चतुर्वेदी के देखरेख में स्टाफ नर्स श्रद्धा राय द्वारा नवजात शिशु का नाल काटा गया।डॉ दिनेश कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि नवजात की हालत फिलहाल ठीक है।उसे एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया जा रहा है ताकि शिशु की अच्छी से देखरेख व उपचार हो सके ।नवजात मिलने सूचना होने पर यह क्षेत्र में काफी चर्चा का विषय बना रहा।नवजात को कौन जंगल मे रोता बिलखता छोड़ कर चला गया इसकी कोई जानकारी नही मिल सकी।

प्रधानमंत्री के मन की बात सुनने के लिए मंडलो मे हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। भाजपा किसान मोर्चा द्वारा जनपद के सभी मण्डलों में मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया यादवेंद्र दत्त द्विवेदी जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा के नेतृत्व में भाजपा किसान में सभी कार्यकर्तावो व पदाधिकारियों द्वारा अपने अपने बूथ पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ई. प्रकाश पाण्डेय विधानसभा प्रभारी घोरावल व प्रभारी घोरावल मण्डल, प्रथम श्रीवास्तव जिलामंत्री, अभय कांत दुबे जिलामंत्री, राकेश पाण्डेय जिला मीडिया प्रभारी व प्रभारी शाहगंज मण्डल, ध्रुवकांत द्विवेदी राबर्ट्सगंज मण्डल अध्यक्ष, चन्द्रविजय पटेल नगवां मण्डल अध्यक्ष, पंकज चौबे, असर्फी लाल म्योरपुर मण्डल अध्यक्ष, धीरेन्द्र जायसवाल, प्रभारी चुर्क मण्डल,बालेन्द्र सिंह पटेल मधुपुर मण्डल अध्यक्ष, राकेश धर दुबे प्रभारी ओबरा मण्डल, राजकुमार मौर्य सेक्टर सयोजक धोवा के द्वारा अपने क्षेत्र के अलग अलग बूथों पर ग्राम वासियो के साथ यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिचारो को रेडियो, मोबाइल व टेलीविजन पर सुना व अपने बूथ को मजबूत करने का संकल्प लिया।

अण्डरपास से जल निकासी व निर्माण कार्य पूरा करने का अनुरोध

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। नौतनवा रेलवे स्टेशन के दक्षिणी छोर पर अधर में छोड़े गए अण्डरपास में डूबने से नौतनवा निवासी प्रमोद शर्मा की हुई मृत्यु की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष गुड्डू खान ने रेल महाप्रबंधक गोरखपुर को सम्बोधित ज्ञापन सौंप उक्त अण्डरपास से जल निकासी व निर्माण कार्य पूरा करने का अनुरोध किया था । जिसका सज्ञान लेते हुए रेल प्रशासन ने तत्काल उक्त स्थल पर पम्पिंग सेट लगाकर पानी की निकासी शुरू करा दी तथा बैरिकेड कर उक्त तरफ आमजन की आवाजाही पर रोक लगाते हुए एक अदद चौकीदार की ड्यूटी भी लगा दी। रेलवे प्रशासन द्वारा तत्काल समाधान निकालने पर पालिका अध्यक्ष ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हमे इस बात की खुशी है कि रेल प्रशासन ने समस्या का समाधान निकाल कर उक्त घटना की पुनरावृत्ति को रोकने का कार्य किया है तथा रेल प्रशासन से हम अपील करते है कि मृतक के परिवारजनो को अगर समय से अहेतूक सहायता भी मिल जाय तो एक गरीब परिवार बिखरने से बच जाएगा।इस अवसर पर शाहनवाज खान, बन्टी पाण्डेय, प्रमोद पाठक, खुर्शेद आलम,शादाब अन्सारी,भानू कुमार, दुर्गा प्रसाद आदि लोगो ने रेल प्रशासन को धन्यबाद दिया है।

आशा कार्यकत्री पिंकी ने मिली नवजात बच्ची को अपनाया

रवीश सिंह ने भरण पोषण की भरोसा दिलाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। विधानसभा हाटा क्षेत्रान्तर्गत नगर पालिका परिषद हाटा ,के चकनरायनपुर में जनसंपर्क के दौरान विधानसभा क्षेत्र हाटा के विधायक पद के प्रत्याशी, सावित्री सेवा संस्थान के प्रबंधक रवीश सिंह को चकनरायनपुर के लोगों द्वारा बताया गया ,की एक नवजात बच्ची नहर के रास्ते पर मिली है। जो गांव के ही आशा कार्यकत्री पिंकी के संरक्षण में है। जानकारी प्राप्त होते ही सावित्री सेवा संस्थान के प्रबंधक रवीश सिंह चकनरायनपुर के आशा कार्यकत्री पिंकी के वहां पहुंचे,और उस महिला को मिली नवजात बच्ची के भरण पोषण के लिए हर सम्भव मदद करने को भरोसा दिलाया। सावित्री सेवा संस्थान के प्रबन्धक विधायक पद के प्रत्याशी रवीश सिंह द्वारा ऐसे दरियादिली निर्णय लेने से चकनरायन पुर के लोगों ने भूर भूर प्रशंसा की एवं आने वाली आगामी विधानसभा चुनाव 2022के विधायक पद के प्रत्याशी रवि सिंह को लोगों ने भरपूर समर्थन करने का आश्वासन दिया

कार्यालय अधिशासी अभियंता

निर्माण खण्ड,लो0नि0वि0,बांसी
सिद्धार्थनगर

पत्रांक–426/एस0टी0/निविदा पत्रावली/21–22 दिनांक 24.08.2021

अल्पकालिक निविदा सूचना

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना वित्तीय वर्ष 2021–22 के अन्तर्गत सांसद आर्दश ग्राम योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत–पेड़ारी में ग्राम पेड़ारी बुजुर्ग में पिच रोड से जगन्नाथ यादव के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक से 06.09.2021 को दिन में 12:00 बजे तक निम्नलिखित सामग्री (1) सीमेन्ट, (2) प्रथम श्रेणी ईंट, (3) मोरंग, (4) बालू (5) 20एम0एम0 ग्रिट, (6) 13.2 एम0एम0 ग्रिट, (7) 40 एम0एम0 ईंट की गिट्टी, (8) पॉलीथीन शीट, (9) कार्क, (10)साइन बोर्ड इत्यादि आपूर्ति हेतु अपनी कोटेशन दर तथा वांछित प्रपत्र सीलबन्द लिफाफे में कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी, सिद्धार्थनगर के निविदा बाक्स में डाल सकते है तथा उसी तिथि में दिनांक 06.09.2021 को अपरान्ह 15:00 बजे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी, सिद्धार्थनगर के समिति के सदस्यों की उपस्थिति में कोटेशन खोली जायेगी।

नियम व शर्ते

1. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना के अन्तर्गत पंजीकृत वेंडर होना अनिवार्य है।
2. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी, उसे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी,सिद्धार्थनगर द्वारा सामग्री आपूर्ति किये जाने हेतु सूचित किया जायेगा।
3. आपूर्तिकर्ता का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकरदाता हो, प्रमाणित प्रति के साथ 03 वर्ष काआयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना अनिवार्य है।
4. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी, सिद्धार्थनगर के समिति के सदस्यों द्वारा आपूर्तिकर्ता की उपस्थिति में कोटेशन खोला जायेगा।
5. सामग्री आपूर्ति कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी, सिद्धार्थनगर में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर ही करनी होगी।
6. प्रस्तुत दरे जी0एस0टी0, कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत किया जायेगा।
7. सामग्री की मात्रा घटाई अथवा बढ़ाई जा सकती है।
8. प्रस्तुत दरे लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत दर से अधिक दर पर मान्य नही होगी।
9. आपूर्तिकर्ता को 2.00 प्रतिशत आयकर देना होगा।
10. लोक निर्माण विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नही की जायेगी।
11. कोटेशन को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी,सिद्धार्थनगर के पास होगा।
12. स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान सहायक अभियन्ता/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापी के उपरान्त किया जायेगा, गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नही किया जायेगा।
13. कोटेशन दर स्वीकृत होने तथा कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी, सिद्धार्थनगर द्वारा न्यूनतम कोटेशन दर दाता के पक्ष में आपूर्ति आदेश निर्गत करने के माह मार्च 2022 के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दिशा में आपूर्ति आदेश निरस्त कर दी जायेगी।
14. कोटेशन के सम्बन्ध में किसी भी जानकारी हेतु कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी,सिद्धार्थनगर से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकेगा।

निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी

सिद्धार्थनगर

www.upgov.nic.in
upid-r.o.166850
date : 28-08-2021

समाजसेवी सुबास सिंह ने जलजमाव की समस्या से लोगों को दिलाई निजात

जलनिकासी की हुई व्यवस्था से गृहस्वामियों एवं किसानों ने ली राहत की सांस

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। पिछले कुछ दिनों से हो रही झमाझम बारिश से नगर पंचायत सुकरौली के आसपास के क्षेत्र जलमग्न हो चुके हैं।जगह जगह जलजमाव, सड़को और घरों तक पानी भर जाने से आमजन को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।इन समस्याओं के निजात दिलाने के लिए कई समाजसेवियों तथा जनप्रतिनिधियो ने आगे कदम बढ़ाया है।ऐसे ही एक समाजसेवक और जनप्रतिनिधि के रूप में नगर पंचायत सुकरौली के तितिला के रहने वाले सुबाष सिंह ने सुकरौली के दोनों तरफ नहरों से सिल्ट की सफाई कराकर आसपास के जलजमाव से लोगो को निजात दिलाने की पहल की है।साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग के उत्तर और गनेशपुर के मध्य सैकड़ों एकड़ जलमग्न फसलों को बचाने हेतू सार्थक प्रयास किया। इस जनसेवा कार्य के लिए समाजसेवी सुबास सिंह को संजय यादव, अरविंद यादव, रामधनी सिंह ,पन्नेलाल यादव ,धनेश सिंह, विद्यासागर, सत्यप्रकाश पांडेय सहित तमाम नगर पंचायत सुकरौली के लोगों ने प्रशंसा की।

किसानों की मीटिंग में सपा का तड़का, बीजेपी सरकार को रेस्ट देंगे किसानः पूनम

किसानों ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के खिलाफ मीटिंग कर किया प्रदर्शन

महोली (सीतापुर)। शनिवार को नगर के बड़ागांव रोड पर स्थित खेउ बाबा बाग में किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की किसान नेता पूनम पंडित व क्षेत्रीय अध्यक्ष पिंदर सिंह के नेतृत्व में हजारों की संख्या में किसानों ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के खिलाफ मीटिंग कर प्रदर्शन किया। जिसमें केंद्र सरकार के द्वारा लागू किए गए तीनों कृषि विलो को लेकर मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। खेउबाबा स्थान पर बोलते हुए अध्यक्ष पिंदर सिंह ने कृषि बिलों की तमाम खामियां गिनाकर उनको तत्काल वापस कर किसानों की मांगें मानने की बात कहीं। बैठक में तमाम किसान नेताओं अपनी बात रखी और मोदी योगी सरकार को जमकर कोसा। प्रदर्शन के दौरान किसान नेता पूनम पंडित ने प्रधानमंत्री निशाना साधते हुए कहा प्रधानमंत्री को पूरा राष्ट्र दे दीजिए और मुख्यमंत्री को पूरा प्रदेश, वह लोग हमें राजधर्म न सिखाएं। जिनके कार्यालयों पर 54, 55 साल से तिरंगा नहीं लगा। इस बार किसान बीजेपी सरकार को रेस्ट देंगे। गरीब कल्याण अन्न योजना में बैग पर अपनी फोटो छपवा कर फोटो सेशन कराकर मोदी योगी अपना महिमामंडन करवा कर प्रचार प्रसार का जरिया बनाए हुए हैं। हर हर मोदी के नारे की जगह पर है हर हर महादेव का नारा लगाया और किसान एकता जिंदाबाद नारे के साथ किसान एक जाति और किसान एक धर्म की बात कही। सपा नेता अनूप कुमार गुप्ता ने जय जवान जय किसान के नारे लगाये और किसानों की आवाज उठाने की बात कही। इस मौके पर तमाम किसान, सपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में एक की मौत, एक जिला अस्पताल रेफर

सिधौली (सीतापुर)। सीतापुर–लखनऊ की तरफ से आ रहे एक मोटरसाइकिल ने सड़क पार कर रहे एक वृद्ध को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद विरोध सड़क पर गिर गया। जिससे पीछे से आ रही एक अज्ञात वाहन उसके ऊपर कर फरार हो गया। जिससे वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मोटरसाइकिल सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली ले जाया गया। जहां से डॉक्टरों ने वृद्ध को मृत घोषित कर दिया।

वहीं घायल की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार राजू सोनी 45 वर्ष पुत्र कुंदन निवासी ग्राम महाराज नगर कोतवाली सिधौली से लखनऊ की तरफ अपने मोटरसाइकिल से जा रहा था। तभी नेशनल हाईवे पर सड़क पार कर रहे अहमदपुर जट के पास कादिम अली 60 वर्षीय पुत्र लियाकत अली निवासी ग्राम अहमदपुर जट को टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर गिर गए तभी लखनऊ की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार वाहन कुचलता हुआ चला गया। जिससे वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई एवं मोटरसाइकिल सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की सहायता से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने वृद्ध को मृत घोषित कर दिया वह घायल की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आसिफ अशरफी बने विधानसभा सेवता समाजवादी युवजन सभा के उपाध्यक्ष

बिसवां नगर (सीतापुर)।समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के निर्देश तथा समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरि की अनुमति से जहांगीराबाद निवासी आसिफ अशरफी को सीतापुर जिले की सेवता विधान सभा समाजवादी युवजन सभा का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। समाजवादी युवजनसभा सीतापुर के जिलाध्यक्ष रिजवान अहमद एडवोकेट ने मनोनयन.पत्र जारी करते हुये इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आसिफ अशरफी का उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन कर पार्टी ने उनसे यह आशा और अपेक्षा की है कि यह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों व समाजवादी विचारधारा को जन जन पहुंचाते हुये पार्टी को और अधिक बल एवं गतिशीलता प्रदान करेंगे। उनके मनोनयन पर मो0 आसिफ लखनऊ, जिलाध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा रिजवान अहमद, पूर्व विधायक महेन्द्र सिंह झीन बाबू सहित तमाम समाजवादी कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों नें हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री को लाकर पुल का जल्द कराएंगे शिलान्यास रानू

हरपालपुर,हरदोई। कटियारी क्षेत्र का बहुप्रतीक्षित अर्जुनपुर बड़ागांव रामगंगा नदी पर वर्षों से चली आ रही पुल की मांग अब पूरी हो गई है। जिसको लेकर क्षेत्र की जनता विधायक की सराहना कर रही है।वही विधायक का हरपालपुर में प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने गाजे बाजे के साथ फूल माला पहनाकर का तरीका जोरदार स्वागत किया है। बड़ागांव अर्जुनपुर रामगंगा नदी में 1975 में कार्तिक पूर्णिमा के दिन श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई थी जिसमें 90 श्रद्धालुओं की रामगंगा नदी में डूब कर असमय मौत हो गई थी वही अर्जुनपुर रामगंगा नदी में 1990 में पैंटून बनाया गया था जोकि मानसून की दस्तक के बाद उखाड़ लिया जाता है और फिर वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद दोबारा बना दिया जाता है वर्ष 2011 में एक घटना के बाद मांगा और तेज हो गई थी लोकसभा चुनाव के दौरान 10 अप्रैल 2019 को पुल के ऊपर ही जन चौपाल लगाकर जनता का घोषणापत्र सांसद को सौंपा था वही पुल के मुद्दों को कई बार प्रमुखता से उठाया गया वही पुल निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्र की समाज सेविका सीमा मिश्रा ने अपने सुहाग चिन्ह त्याग ते हुए पुल जब तक नहीं बन जाएगा तब तक सुहाग चिन्ह ना पहने की प्रतिज्ञा की थी जिसको लेकर क्षेत्र की जनता लगातार जनप्रतिनिधियों से रामगंगा नदी पर पक्के पुल बनवाने की मांग उठ रही थी वहीं क्षेत्रीय भाजपा विधायक मानवेंद्र प्रताप सिंह रानू जब सवायजपुर विधानसभा से 2017 में विधानसभा से विधायक चुने गए थे तो क्षेत्र की जनता का उनसे पुल की आशा और बढ़ गई थी जिसको लेकर क्षेत्र के समाजसेवी वाकई संगठनों के कार्यकर्ताओं के द्वारा लगातार अर्जुनपुर पुल की मांग की जा रही थी वही 26 अगस्त को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने अधिकारी ट्विटर हैंडल से 106 करोड़ 7871000 रुपए का पुल बनने की धन की स्वीकृति कर है वहीं क्षेत्रीय भाजपा विधायक मानवेंद्र प्रताप सिंह रानू के अथक प्रयासों के बाद अब अर्जुनपुर पुल को स्वीकृति मिल गई है।वहीं क्षेत्रीय भाजपा विधायक भुवनेश्वर में सूर्य मंदिर के दर्शन करने गए थे वहीं शनिवार को हरपालपुर कस्बे में प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने गाजे–बाजे के साथ फूल माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया है क्षेत्रीय भाजपा विधायक मानवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने कहा कि भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ागांव अर्जुनपुर का बहुप्रतीक्षित मंजूर किया है बहुत जल्द ही मुख्यमंत्री बा उप मुख्यमंत्री को लाकर पुल का शिलान्यास कर आऊंगा जल्द ही पुल निर्माण का कार्य चालू हो जाएगा इस मौके पर युवा मोर्चा के जिला मंत्री मिथिलेश सिंह भूरा पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष जिला पंचायत सदस्य पति राणा प्रताप हिमालय जिला प्रतिनिधि अभिराम सिंह अजय शुक्ला विनोद सिंह आशीष पांडे विधायक प्रतिनिधि रजनीश त्रिपाठी भाजपा नेता दीपांशु सिंह पुष्पेंद्र सिंह दीपक सिंह मुन्नू लाल पांडे धर्मेंद्र सिंह सोनू आनंद सिंह आदि लोग मौके पर मौजूद रहे

रानी दीक्षित बनीं भाजपा की जिला मंत्री महिला मोर्चा, बधाइयों का तांता

बिसवां नगर (सीतापुर)।जनपद के कर्मठ, संघर्षशील युवा भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवंगत आनन्द दीक्षित की धर्मपत्नी रानी दीक्षित को जिले की महिला मोर्चा की मंत्री पद पर मनोनयन से क्षेत्रीय जनता, कार्यकर्ताओं सहित सांसद व कई विधायकों एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। ज्ञातव्य हो कि विगत दिनों में हुये ग्राम पंचायत व जिला पंचायत के चुनाव में अपनी अहम भूमिका निभाते हुये कोरोना वायरस की भेंट चढ़ गये थे जिससे उनकी अकाल मृत्यु हो गई थी। वह जीवनभर पार्टी व संगठन को मजबूत करने के लिये संघर्षशील रहे। आनन्द की गिनती जिले के कद्दावर नेताओं में होती थी। उनके निधन के बाद उनकी धर्मपत्नी रानी को जिला मंत्री बनाये जाने पर परिवार गांव सहित क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

डीएम व एसपी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ समाधान दिवस

कछौना,हरदोई।कोतवाली कछौना में शनिवार को समाधान दिवस जिला अधिकारी अविनाश कुमार व पुलिस अधीक्षक अजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक ने कड़े शब्दों पर प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह को क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन पर अंकुश लगाने, अवैध रूप में बिक्री हो रहे गांजा बिक्री पर अभियान चलाकर कार्यवाई करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस में क्षेत्र के राजस्व संबंधी विवादो की शिकायतों को गंभीरता से सुना, संबंधित पुलिसकर्मी व राजस्व कर्मी की टीम गठित कर मौके पर जाकर शिकायत निस्तारण का निर्देश दिया। समसपुर के राकेश कुमार ने बताया पत्नी काफी दिनों से गायब के संबंध में शिकायत पत्र दिया है। निर्मल पुर निवासी सपना बानों ने पति–पत्नी विवाद का प्रकरण रखा। ज्यादातर शिकायतें ग्राम सभा के चक मार्गों पर कब्जा को लेकर थी। क्षेत्र में रैसों, बघुआमऊ, समोधा, इंडस्ट्रियल एरिया, इनायत पुर, नैरा में बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खननज ओवरलोड डंपर चलने की स्थानीय लोगों ने जानकारी दी। अवैध मिट्टी खनन से आए दिन दुर्घटनाएं घटती रहती हैं। वही चंद दिनों में संपर्क मार्ग गड्ढा युक्त हो जाते हैं। जिससे आवागमन में काफी दिक्कत होती है। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अंकुश लगाने का निर्देश दिया। कस्बे सहित सड़क के किनारे स्थित ढाबों पर नशे का व्यापार खेल खेला जा रहा है। इन ढाबों से गाजा की पुड़िया व अवैध शराब बिक्री को संज्ञान में लाया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने बताया इन ढाबों को चिन्हित कर उनके उनके खिलाफ ठोस कार्यवाई अमल में लाई जाए। जिला अधिकारी के समक्ष नगर वासियों ने आधार केंद्रों पर जमकर अवैध वसूली की शिकायत की। ब्लॉक संसाधन केंद्र पर बंद पड़े आधार केंद्र को शीघ्र चालू कराने की मांग की। जिस पर जिलाधिकारी ने समस्या का निराकरण करने की बात कही।इस समाधान में वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुबोध कुमार, कानूनगो राघवेंद्र मिश्रा, अशोक कुमार राजवंशी, फिरोज अहमद, संजीव यादव, दीपक कुमार सहित ग्राम प्रधान गण व फरियादी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों को निस्तारित किये जाने पर विचार विमर्श किया गयाःअलका पाण्डेय

हरदोई।सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई अलका पाण्डेय ने बताया है कि जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई सुरेन्द्र सिंह प्रथम के आदेशानुसार 11 सितम्बर 2021 को आयोजित की जा रह राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु न्यायाधीश द्वितीयध्नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत संजीव कुमार सिंह की अध्यक्षता व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश निरूपमा विक्रम कोर्ट नं 14, व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की उपस्थिति में अधिक से अधिक वादों को निस्तारित किये जाने के प्रयास हेतु समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट की एक आवश्यक बैठक आहूत की गयी।

बैठक में 11 सितम्बर 2021 को आयोजित की जा रही राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु अधिक से अधिक वादों को सुलह समझौता के जरिए निस्तारित किये जाने पर विचार विमर्श किया गया तथा इस बैठक में अपर जनपद न्यायाधीश द्वितीयध्नोडल अधिकारी लोक अदालत हरदोई संजीव कुमार सिंह द्वारा उपस्थित समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया गया कि वे अधिक से अधिक वादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराये जाने का प्रयास करे,ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। तथा समस्त वाद कारियों को भी सूचित किया जाये कि वे उपरोक्त तिथियों नियत वादों में सुलह समझौते हेतु 11 सितम्बर 2021 की लोक अदालत में उपस्थित होकर एवं आपसी रजामंदी के आधार पर सुलह करायें। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजय कुमार गोंड,सिविल जज सीनियर डिवीजन कुलदीप सिंह द्वितीय, अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन तुलिका बन्धु, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट नं 2 अन्शु मलिक पाण्डेय, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट नं 4 रश्मी चन्द्र, सिविल जज सीनियर डिवीजन एसटीसी राम गोपाल यादव,सिविल जज जूनियर डिवीजन पश्चिमी अंकुर चित्रांशी, सिविल जज यूनियर डिवीजन पूर्वी विनोद कुमार यादव, अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन द्वितीय अनुज सिन्हा, अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन चतुर्थ अंकिता सिंह, सिविल जज जूनियर एसटीसी महिला वैशाली सिंह, सिविल जज जूनियर डिवीजन एसटीसी कु श्वेता आदि मौजूद रही।

पुरातन छात्रों के द्वारा बच्चों को दिया गया मार्गदर्शन

बिसवां नगर (सीतापुर)।श्रीराम चंपा देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बिसवां में पुरातन छात्रों के द्वारा बच्चों को मार्गदर्शन दिया गया। मां सरस्वती जी के चित्र पर पुष्पार्चन करने के बाद राजकुमार जयसवाल सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपने जीवन से जोड़ी बहुत सी जानकारियां प्रस्तुत की तथा आगे सफलता है तो क्या.क्या करना चाहिए। बच्चों को मार्गदर्शन दिया। आशीष कुमार शुक्ल अधिशासी अभियंता अध्यक्ष पुरातन छात्र परिषद ने बहुत से महान व्यक्तियों से जुड़ी हुई। उनकी सफलताओं से जुड़ी हुई। कहानियों को प्रस्तुत करके बच्चों को प्रोत्साहित करने का कार्य किया तथा भविष्य में प्रत्येक महीने विद्यालय में आकर ऐसे ही गतिविधियों को करने की योजना बनाई। जिससे बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सके। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ आचार्य विनय प्रकाश दीक्षित के द्वारा पूर्ण किया गया तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश कुमार शुक्ला ने सभी का आभार प्रस्तुत किया।

तालाब में डूबकर युवक की मौत

सांडा (सीतापुर)।बिसवां कोतवाली क्षेत्र की पुलिस चौकी सांडा के गोपालापुर गांव में सुबह पिता को खेत में खाना देने गये युवक की तालाब में डूबकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गोपालापुर निवासी रामखेलावन शनिवार की सुबह अपने पशुओं को चराने के लिए खेत गया था। उसका पुत्र विकास उम्र 18 वर्ष उसके लिए घर से खाना लेकर गया था। पिता रामखेलावन को खाना देकर पास में ही ककरहा तालाब के किनारे शौच के लिये चला गया था। जहां तालाब में फिसल कर डूब जाने से युवक की हो गई। ग्रामीणों की सहायता से युवक को तालाब से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सांडा लाया गया। जहां चिकित्सक डॉ संजय कुमार ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

नारी जागरण सेवा समिति ने न्यूरो कैम्प का किया आयोजन

सीतापुर।नारी जागरण सेवा समिति द्वारा संचालित लक्षित हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत नारी जागरण सेवा समिति–टी. आई कार्यालय, घूरामउ बगंला, सीतापुर में पीएंडजी हेल्थ लिमिटेड द्वारा न्यूरो कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 60 लोगों की नर्वस सिस्टम की जांच की गयी। इसके अन्तर्गत हांथ पैरों में जलन, झनझाहट, सुन्नपन, दर्द की जांच शामिल थी। कैम्प में नारी जागरण सेवा समिति की ओर से सचिन त्रिपाठी (कार्यक्रम प्रबंधक) , दिलीप कुमार, नवीन चन्द्र दीक्षित, मोहित निगम, जितेन्द्र प्रताप सिंह, नगमा खान, ममता शुक्ला तथा पीएंड जी हेल्थ लि0 से आदेश कुमार मिश्रा उपस्थित रहे।

भरखनी में हुआ दंगल कार्यक्रम का आयोजन

हरदोई। स्वर्गीय पहलवान राधे श्याम पांडेय की स्मृति में ब्राह्मण चेतना परिषद् ब्लॉक अध्यक्ष अमित पांडेय, गोलू पांडेय, पहलवान प्रधान, जिला सचिव सत्येन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा ग्राम पिपरिया तहसील शाहाबाद ब्लॉक भरखनी में दंगल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्राह्मण चेतना परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष विश्वदीप अवस्थी एवं जिलाध्यक्ष अनिल प्रकाश दीक्षित ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में किया। दंगल में दूर दराज प्रदेशों एवं नेपाल से आये पहलवानों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रमुख रूप से ब्राह्मण चेतना परिषद् शहर अध्यक्ष हरदोई के के मिश्रा एडवोकेट, जिला महासचिव उमंग शर्मा समेत तमाम पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

बाइक समेत दो चोर चढ़े पुलिस के हत्थे भेजा जेल

पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देश पर उन्नाव पुलिस ने वाहन लिफ्टरों पर कसा शिकंजा

नवाबगंज,उन्नाव। अजगैन कोतवाली पुलिस ने चोरी की एक बाइक समेत दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है अजगैन कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर मढ़ी गांव निवासी शैलेंद्र कुमार पुत्र हरीराम रावत की बीते 18 अगस्त की रात्रि को घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया था। जिसके बाद पीड़ित ने अजगैन कोतवाली में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया था जिसपर शनिवार सुबह एसआई जन्मेदय सिंह कांस्टेबल नीतीश कुमार सिंह के जरिये मुखबिर की सूचना पर बाइक चोरों को अजगैन रेलवे क्रॉसिंग के पास से बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े गए अभियुक्तों में छोटू उर्फ सोनू उर्फ लाला उम्र(22) वर्ष पुत्र कल्लू निवासी रामबक्स खेड़ा थाना दही उन्नाव व साथी मोहम्मद इसराइल पुत्र मुन्ना निवासी बारादरी थाना लहरपुर जिला सीतापुर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया जहाँ से दोनों अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया।

महिला ने की फांसी लगाकर आत्महत्या

फिरोजाबाद। थाना सिरसागंज क्षेत्र अन्तर्गत एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है। थाना सिरसागंज क्षेत्र के नगला खंदारी निवासी बवली देवी (30) पत्नी रामशंकर ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी जैसे ही परिजनों को हुई तो वह सन्न रह गये। चीख पुकार सुन आस पास के लोग आ गये। सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है।

ट्रेन से कटकर बालिका की दर्दनाक मौत

नवाबगंज/उन्नाव । एक परिवार के ऊपर दुखों का पहाड़ तब टूट पड़ा जब डेढ़ साल के अन्दर अपनी दूसरी सन्तान को खो दिया। मामला विकासखंड नवाबगंज के जैतीपुर का है, जहां सौंच के लिए निकली युवती की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सोनम विश्वकर्मा (उम्र 18 वर्ष) पुत्री बृजेश विश्वकर्मा निवासी जैतीपुर दोपहर लगभग 2रू00 बजे घर के पीछे रेल की पटरियों की तरफ सौंच के लिए गई थी जहां ट्रेन की चपेट में आने से मौंके पर ही उसकी मौत हो गई। जिसका इकलौता भाई विशाल लगभग डेढ़ साल पहले ट्रेन की चपेट में आने से अपनी जान गंवा चुका है। खबर सुनकर घर वालों का रो–रो कर बुरा हाल है व क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। मामले की सूचना परिजनों ने सोहरामऊ पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुँचे निरीक्षक राकेश कुमार ने शव को कब्जे में ले पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिये भेजा। बतातें हैं कि मृतका को दौरे की शिकायत थी।ब्रजेश लखनऊ में मजदूरी कर घर चलाता है। मृतका चार बहनों में तीसरे नम्बर की थी।

ससुराल आये युवक की गोली मारकर हत्या

फिरोजाबाद। थाना रामगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत ससुराल आये एक युवक की किन्ही लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस घटना की जांच कर रही है। थाना जसराना क्षेत्र के गांव पाढ़म निवासी वसीम (22) पुत्र पप्पू गाजियाबाद के लोनी इलाके में गार्ड की नौकरी करता था। बताया जाता है कि वह शुक्रवार की रात्रि थाना रामगढ़ क्षेत्र स्थित मक्का कालोनी में अपनी ससुराल आया था। यहां उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना से हडकम्प मच गया। सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। इधर घटना की जानकारी होते ही एसएसपी अशोक कुमार भी मौके पर पहुंचे और मृतक की पत्नी से घटना की जानकारी ली है। मृतक की पत्नी ने गाजियाबाद की ही एक महिला व उसके साथ आये लोगों पर गोली मारकर हत्या का आरोप लगाया है।

इस सम्बंध में एसएसपी अशोक कुमार का कहना है कि वसीम को गोली मारी गई है। जिससे उसकी मौत हुई है। मृतक गार्ड की नौकरी करता था। कुछ लोगों पर आरोप है। घटना की जांच कर कार्यवाही की जा रही है।

स्वरोजगार प्रशिक्षण के दौरान सीडीओ ने किया निरीक्षण

मल्लावां,हरदोई। एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत स्वरोजगार करने वाली पच्चीस महिलाओं को दस दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दिवस पर सीडीओ आकांक्षा राना महिलाओं से मिलकर दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली।मल्लावां कस्बे के मोहल्ला काजीटोला में जिला उधोऊग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र के सहयोग से एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण योजना के तहत दस दिवसीय प्रशिक्षण पच्चीस महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण की शुरुआत 21 दिसंबर से शुरूआत हुई थी । जिसमें महिलाओं को तौलिया, रुमाल, चादर को बुनना , रंगाई के साथ बेहतर डिजाइन के बारे में धीरज सिंह ने प्रशिक्षण दिया। शनिवार को प्रशिक्षण के समय सीडीओ आकांक्षा राना ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओ से मिली और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा की महिलाएं हैंडलूम बुनकर प्रशिक्षण प्राप्त कर बेहतर उत्पाद तैयार करें और जिससे उनकी आमदनी भी अधिक हो साथ ही सरकार महिलाओं को स्वावलंबी बनाना चाहती है। इसके बाद बुनाई कारखाने गई और बुने जा रहे कपड़े को देखा। जिसके के बाद खुद भी एक पावरलूम मशीन पर बैठकर कपड़ा बुनने का तरीका सीखा। इसके बाद सीडीओ ने ब्लाक पहुचकर ब्लाक का निरीक्षण किया और कमरे में रखे अभिलेखों को देखा उसके बाद समीक्षा बैठक की । बैठक के बाद तेजीपुर में वन वाटिका को देखा भव्य तरीके से सुसज्जित वाटिका देखकर खुश हुई ।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर, जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
आर.एन.आई. नं0– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

जन्माष्टमी विशेषः श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन एवं अलौकिक लीलाएं

जन्माष्टमी का त्यौहार प्रतिवर्ष भाद्रपक्ष कृष्णाष्टमी को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। इस पर्व का भारतीय संस्कृति में इतना महत्व इसीलिए माना गया है क्योंकि श्रीकृष्ण को भारतीय संस्कृति का विलक्षण महानायक माना गया है। उनके व्यक्तित्व को जानने के लिए उनके जीवन दर्शन और अलौकिक लीलाओं को समझना जरूरी है। द्वापर युग के अंत में मथुरा में अग्रसेन नामक राजा का शासन था। उनका पुत्र था कंस, जिसने बलपूर्वक अपने पिता से सिंहासन छीन लिया और स्वयं मथुरा का राजा बन गया। कंस की बहन देवकी का विवाह यदुवंशी वसुदेव के साथ हुआ। एक दिन जब कंस देवकी को उसकी ससुराल छोड़ने जा रहा था, तभी आकाशवाणी हुई, हे कंस! जिस देवकी को तू इतने प्रेम से उसकी ससुराल छोड़ने जा रहा है, उसी का आठवां बालक तेरा संहारक होगा। आकाशवाणी सुन कंस घबरा गया। उसने देवकी की ससुराल पहुंचकर जीजा वसुदेव की हत्या करने के लिए तलवार खींच ली। तब देवकी ने अपने भाई कंस से निवेदन किया कि हे भाई! मेरे गर्भ से जो भी संतान होगी, उसे मैं तुम्हें सौंप दिया करूंगी, उसके साथ तुम जैसा चाहे व्यवहार करना पर मेरे सुहाग को मुझसे मत छीनो। कंस ने देवकी की विनती स्वीकार कर ली और मथुरा लौट आया तथा वसुदेव एवं देवकी को कारागार में डाल दिया। कारागार में देवकी ने अपने गर्भ से पहली संतान को जन्म दिया, जिसे कंस के सामने लाया गया। देवकी के गिड़गिड़ाने पर कंस ने आकाशवाणी के अनुसार देवकी की आठवीं संतान की बात पर विचार करके उसे छोड़ दिया पर तभी देवर्षि नारद वहां आ पहुंचे और उन्होंने कंस को समझाया कि क्या पता, यही देवकी का आठवां गर्भ हो, इसलिए शत्रु के बीज को ही नष्ट कर देना चाहिए। नारद जी की बात सुनकर कंस ने बालक को मार डाला। इस प्रकार कंस ने देवकी के गर्भ से जन्मे एक–एक कर 7 बालकों की हत्या कर दी। जब कंस को देवकी के 8वें गर्भ की सूचना मिली तो उसने बहन और जीजा पर पहरा और कड़ा कर दिया। भाद्रपक्ष की कृष्णाष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में देवकी के गर्भ से श्रीकृष्ण ने जन्म लिया। उस समय घोर अंधकार छाया हुआ था तथा मूसलाधार वर्षा हो रही थी। तभी वसुदेव जी की कोठरी में अलौकिक प्रकाश हुआ। उन्होंने देखा कि शंख, चक्र, गदा और पद्मधारी चतुर्भुज भगवान उनके सामने खड़े हैं। भगवान के इस दिव्य रूप के दर्शन पाकर वसुदेव और देवकी उनके चरणों में गिर पड़े। तब उन्होंने वसुदेव से कहा, ''अब मैं बालक का रूप धारण करता हूं। तुम मुझे तत्काल गोकुल में नंद के घर पहुंचा दो, जहां अभी एक कन्या ने जन्म लिया है। मेरे स्थान पर उस कन्या को कंस को सौंप दो। मेरी ही माया से कंस की जेल के सारे पहरेदार सो रहे हैं और कारागार के सारे ताले भी अपने आप खुल गए हैं। यमुना भी तुम्हें जाने का मार्ग अपने आप देगी।'' वसुदेव ने भगवान की आज्ञा पाकर शिशु को छाज में रखकर अपने सिर पर उठा लिया। यमुना में प्रवेश करने पर यमुना का जल भगवान श्रीकृष्ण के चरण स्पर्श करने के लिए हिलोरें लेने लगा और जलचर भी श्रीकृष्ण के चरण स्पर्श के लिए उमड़ पड़े। गोकुल पहुंचकर वसुदेव सीधे नंद बाबा के घर पहुंचे। घर के सभी लोग उस समय गहरी नींद में सोये हुए थे पर सभी दरवाजे खुले पड़े थे। वसुदेव ने नंद की पत्नी यशोदा की बगल में सोई कन्या को उठा लिया और उसकी जगह श्रीकृष्ण को लिटा दिया। उसके बाद वसुदेव मथुरा पहुंचकर अपनी कोठरी में पहुंच गए। कोठरी में पहुंचते ही कारागार के द्वार अपने आप बंद हो गए और पहरेदारों की नींद खुल गई। कंस को कन्या के जन्म का समाचार मिला तो वह तुरन्त कारागार पहुंचा और कन्या को बालों से पकड़कर शिला पर पटककर मारने के लिए ऊपर उठाया लेकिन कन्या अचानक कंस के हाथ से छूटकर आकाश में पहुंच गई। आकाश में पहुंचकर उसने कहा, ''मुझे मारने से तुझे कुछ लाभ नहीं होगा।

मुझे एथनिक कपड़े पहनना काफी पसंदः निक्की तंबोली

बिग बॉस की पुरानी प्रतिभागी रही निक्की तंबोली ने एथनिक वेयर फिओना के लिए हॉट फोटोशूट करवाया है। इसमें उन्होंने एथनिक वेयर कुर्ता–पैजामा पहना है जिसमें वे काफी खूबसूरत और आत्मविश्वासी लग रही है। ब्रांड के बारे में बात करते हैं हुए

उन्होने कहा कि, मुझे एथनिक कपड़े पहनना काफी पसंद है मैंने बिग बॉस के दौरान भी काफी एथनिक कपड़े पहने थे। मुझे वेस्टर्न से ज्यादा इंडियन आउटफिट पसंद है। फियोना ने काफी बेहतरीन ढंग से एथनिक वेयर को बनाया है फियोना की सबसे अच्छी खूबी यह है कि इनके कपड़े काफी सॉफ्ट और हल्के है जोकि काफी आरामदायक है और मुझे भी आरामदायक कपड़े ही पसंद है। उन्होंने कहा कि, बिग बॉस ओटीटी में प्रतिभागियों को गाली गलौज और हाथापाई नही करनी चाहिए। ओटीटी प्लेटफार्म पर यह सब शोभा नहीं देता है। बिग बॉस ओटीटी मे जीशान और प्रतीक की लड़ाई पर निक्की ने प्रतिक्रिया देता हुए कहा कि , मैने भी वो एपिसोड देखा है जिसमें जीशान को बाहर कर दिया गया मुझे हैरानी इस बात कि है बिग बॉस कोई कुश्ती का अखाड़ा नहीं है जहां पर सब हाथापाई करने में लगे हुए। आपको बिग बॉस के घर में कुछ भी करने की आजादी है पर गाली गलौज और हाथापाई यह बिलकुल भी ठीक नहीं है। करण जौहर के बिग बॉस में पक्षपात करने के सवाल पर भी उन्होंने अपनी राय दी निक्की ने कहा कि, मुझे नही लगता कि करण सर पक्षपात कर रहे हैं वे सभी को सपोर्ट कर रहे हैं। उन्होंने ने अपना उदहारण दिया और कहा मैं तो कलर चौनल की भी नही थी। परंतु फिर भी मुझे बिग बॉस में सपोर्ट किया गया। जो लोग भी पक्षपात का आरोप लगा रहे हैं वे बिलकुल गलत बोल रहे हैं। अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए उन्होंने ने कहा कि ,मैं एक नया सॉन्ग शूट कर रही हूं जोकि सिंगर अर्जुन कानूनगो के साथ है। यह अगले महीने मे रिलीज होगा।

कार्टेल में अपने किरदार को मिल रही प्रशंसा से अभिभूत है प्रणति राय प्रकाश

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रणति राय प्रकाश वेब सीरीज कार्टेल में अपने किरदार को मिल रही प्रशंसा से अभिभूत है।

कार्टेल एक एक्शन ड्रामा सीरीज है जो कार्टेल परिवार के कहानी पर आधारित है।

प्रणति राय प्रकाश ने सुमि आंग्रे का किरदार निभाया है जो एक गैंग्स्टर परिवार से है। कार्टेल वेब सीरीज में ऋत्विक धनजानी, तनुज विरवानी और सुप्रिया पाठक जैसे कई प्रभावशाली कलाकार है।

प्रणति राय प्रकाश का किरदार एक स्वीट लड़की की भूमिका को दर्शाता है जो एक गैंगस्टर फॅमिली से है लेकिन वह खुद एक गैंगस्टर नहीं है।प्रणति राय प्रकाश का किरदार एक प्यारी लड़की है, जिसे डांस करना पसंद है, और उसका स्वभाव इमोशनल है।

प्रणति राय प्रकाश ने कहा, मैं खुश हूँ की मुझे सुमि आंग्रे की भूमिका निभाने का मौका मिला, हां वह भूमिका निभाना मुश्किल था, लेकिन उसके कारण मैं अपने दर्शकों के लिये कुछ नया प्रस्तुत कर पायी।

प्रणति राय प्रकाश ऑल्ट बालाजी की वेब सीरीज ब्लैकवुड में नजर आएंगी। प्रणति को अब्बास–मस्तान निर्देशित नेटफ्लिक्स वेब फिल्म पेंटहाउस में भी कास्ट किया गया है जिसमें वह अर्जुन रामपाल के साथ नजर आएंगी।

कृति सेनन के गाने परम सुंदरी ने 100 मिलियन व्यूज किये पूरे

कृति सेनन ने अपनी लेटेस्ट रिलीज फिल्म मिमी से सबका दिल जीता है। फिल्म सरोगसी पर फोकस करती है और कृति फिल्म में एक सरोगेट माँ के रूप में नजर आयी। फिल्म का म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया और फिल्म के गाने काफी हिट साबित हुए। फिल्म का डांस नंबर परम सुंदरी ने अब यू ट्यूब पर 100 मिलियन व्यूज पूरे कर लिए है और इस वजह से कृति ने किया अपने फैंस को धन्यवाद।

फैंस को धन्यवाद देते हुए कृति ने लिखा, 100 मिलियन हमारी परम सुंदरी के लिए। बहुत बहुत बहुत धन्यवाद। मुझे सारे वीडियो और एडिटर बहुत पसंद आ रहे है।

गाने में कृति ने बहुत अच्छा डांस किया है और इंटरनेट पर फैंस द्वारा इस गाने पर बनाई गयी रील्स मौजूद है। कृति ने फिल्म रिलीज के एक महीना पूरा होने पर अपने फैंस को खास धन्यवाद दिया था फिल्म को इतना प्यार देने के लिए।

अभी हाल ही में कृति मनीष मल्होत्रा की कलेक्शन नूरानीयत पहने हुए नजर आयी। मनीष ने कृति को लेकर अपनी कलेक्शन में एक वीडियो बनायीं जिसमे कृति दुल्हन के अवतार में बेहद खूबसूरत लग रही है।

वर्कफ्रंट पर, कृति के पास काफी फिल्में है। वह वरुण धवन के साथ फिल्म भेडिया में नजर आएंगी । वह राजकुमार राव के साथ फिल्म हम दो हमारे दो में नजर आएँगी।

इसके साथ साथ वह अक्षय कुमार के साथ फिल्म बच्चन पांडे में भी नजर आएँगी। वह फिल्म आदि पुरुष में सीता के रोल में भी नजर आएंगी जिसमे उनके साथ प्रभास और सैफ अली खान भी नजर आएंगे।

कान के संक्रमण को दूर करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

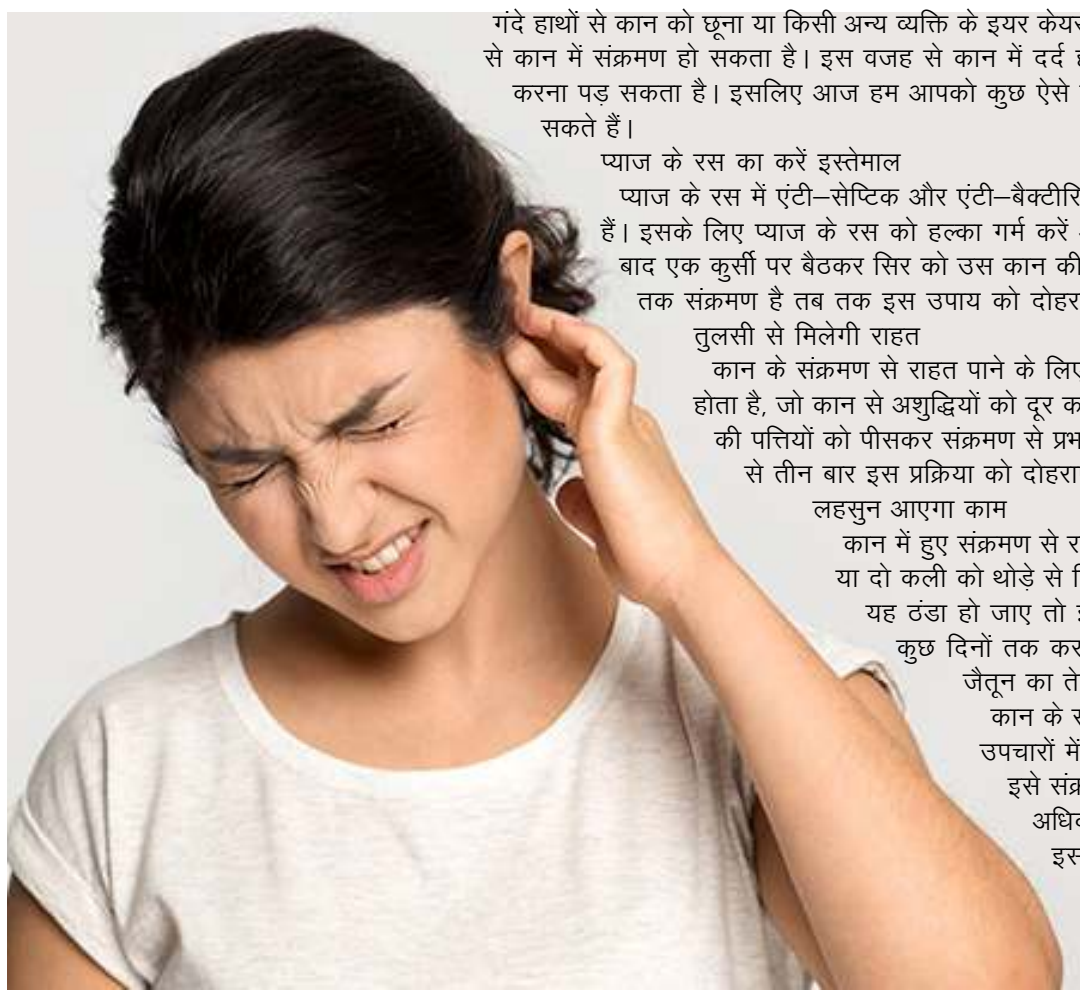

गंदे हाथों से कान को छूना या किसी अन्य व्यक्ति के इयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना और कान की नियमित सफाई न करना जैसे कारणों से कान में संक्रमण हो सकता है। इस वजह से कान में दर्द होना, कान से पानी आना और कान में खुजली होना जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप इस समस्या से तुरंत राहत पा सकते हैं।

प्याज के रस का करें इस्तेमाल

प्याज के रस में एंटी–सेप्टिक और एंटी–बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो कान के संक्रमण से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए प्याज के रस को हल्का गर्म करें और फिर इसे संक्रमण से प्रभावित कान में डालकर लेट जाएं। अब 10 मिनट के बाद एक कुर्सी पर बैठकर सिर को उस कान की तरफ झुकाएं, जिसमें प्याज का रस है। इससे प्याज का रस निकल जाएगा। जब तक संक्रमण है तब तक इस उपाय को दोहराएं।

तुलसी से मिलेगी राहत

कान के संक्रमण से राहत पाने के लिए तुलसी का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें एंटी–ऑक्सीडेंट गुण मौजूद होता है, जो कान से अशुद्धियों को दूर कर गहराई से साफ करने में सहायक है। समस्या से राहत पाने के लिए कुछ तुलसी की पत्तियों को पीसकर संक्रमण से प्रभावित कान में लगाएं। इससे आपको संक्रमण से राहत मिलेगी। रोजाना दिन में दो से तीन बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

लहसुन आएगा काम

कान में हुए संक्रमण से राहत दिलाने में लहसुन भी काफी मदद कर सकता है। इसके लिए लहसुन की एक या दो कली को थोड़े से तिल के तेल या फिर सरसों के तेल में गर्म कर लें और फिर इसे ठंडा होने दें। जब यह ठंडा हो जाए तो इयरबड की मदद से संक्रमण से प्रभावित कान में यह तेल लगाएं। ऐसा लगातार कुछ दिनों तक करते रहने से कान में हुआ संक्रमण छूमंतर हो जाएगा।

जैतून का तेल भी है प्रभावी

कान के संक्रमण से छुटकारा दिलाने के लिए जैतून के तेल का इस्तेमाल सबसे प्रभावी घरेलू उपचारों में से एक है। लाभ के लिए पहले जैतून के तेल को हल्का गर्म कर लें। इसके बाद इसे संक्रमण से प्रभावित कान में इयरबड की मदद से धीरे–धीरे लगाएं। ध्यान रखें कि तेल अधिक गर्म नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे कान के परदे को नुकसान पहुंच सकता है, इसलिए तेल को बिल्कुल हल्का ही गर्म करें।